माघ शुक्ल पक्ष एकादशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 224 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
08 फरवरी 2025 शनिवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम : भाजपा की जबरदस्त वापसी, टूट रही केजरी'वॉल'

70 में से 48 पर भाजपा आगे, हार की कगार पर केजरीवाल

आखिरकार... दिल्ली के दिल से उतरे केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी,दोपहर मेट्रो।

दिल्ली की सत्ता के लिए दिलचस्प सियासी संग्राम के नतीजे भी दिलचस्प हो गये हैं। यहां करीब तीन दशक बाद भाजपा ने सत्ता वापसी की राह मजबूती से पकड़ ली है। आज आ रहे चुनाव परिणामों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर रही है। दोपहर तक भाजपा करीब 48 सीटों पर आगे थी और आम आदमी पार्टी पच्चीस सीटों पर बढ़त पर थी। कांग्रेस का भी दस साल का सूखा समाप्त होने की कगार पर है और वह एक सीट पर खाता खोलने की स्थिति में नजर आ रही है। इस परिणामों में भाजपा को सीटों व वोट प्रतिशत का बडा फायदा होता नजर आ रहा है। जबकि आप को 38 सीटों का तगड़ा झटका लगा है। खास बात यह है कि नई दिल्ली की सीट पर खुद अरविंद केजरीवाल जीत के लिये संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। वे बार बार पिछड़ रहे हैं। यहां भाजपा के प्रवेश वर्मा उनके लिये बड़ी चुनौती बन गये हैं, वहीं कांग्रेस के संदीप दीक्षित ने भी उन्हें घेर रखा है। मतगणना के पहले दो घंटे में चुनाव आयोग ने ही 70 सीटों में से 48 पर भाजपा और 30 सीटों पर आम आदमी पार्टी के आगे चलने का रुझान जारी किया। बाद में आप ने अपनी स्थिति को थोडा सुधारा लेकिन वह सत्ता की रेस में पिछड़ती साफ नजर आ रही है। गौरतलब है कि भाजपा ने 1993 में दिल्ली में सरकार बनाई थी। तब भाजपा ने 49 सीटें जीतीं और पांच साल के कार्यकाल में ही 3 सीएम बदले थे। उसके बाद पंद्रह साल कांग्रेस ने शीला दीक्षित के नेतृत्व में सरकार चलाई थी। दिल्ली में पांच फरवरी को 70 सीटों पर 60.54 फीसदी मतदान हुआ था। बाद में 14 एग्जिट पोल आए जिसमें से 12 में भाजपा और 2 में केजरीवाल की सरकार बनने का अनुमान जताया गया था।इस बार एग्जिट पोल काफी सही नजर आ रहे हैं, जबकि पिछले लोकसभा और अन्यचुनावों में यह गलत साबित हुए थे। केजरीवाल 2003 में कांग्रेस को पटखनी देकर पहली बार सीएम बने थे। फिर 2015 में फिर सीएम बने तथा 2020 में केजरीवाल तीसरी बार इस पद पर आए। लेकिन गत वर्ष शराब घोटाले में जेल से बाहर आने के बाद उन्हें इस्तीफा देना पडा और आतिशी को सीएम बनाया था।

मिल्कीपुर में सपा की हालत खराब

अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर बड़ा उलटफेर हुआ है। भाजपा जीत की ओर बढ़ती दिख रही है। अब तक 17 राउंड की गिनती पूरी हो चुकी है। इसमें 41,724 वोटों से आगे चल रही है। भाजपा खेमे में हलवाई लड्डू बना रहे हैं। वहीं, सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद और उनके सांसद पिता अवधेश प्रसाद सुबह से घर से ही नहीं निकले हैं। सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि भाजपा ने बेईमानी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उनके गुंडों ने बूथ कैप्चरिंग की। इसके बाद भी भाजपा हारेगी। यदि आज मिल्कीपुर में अगर भाजपा जीतती है तो 8 साल बाद फिर से सीट पार्टी के खाते में जाएगी। बड़ी बात यह है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में इसी विधानसभा सीट पर बीजेपी 7 हजार वोट से सपा से हार गई थी। मिल्कीपुर से अवधेश प्रसाद सपा विधायक थे। 2024 लोकसभा चुनाव में सपा ने उन्हें लोकसभा चुनाव ल?वाया। वह अयोध्या (फैजाबाद) से सांसद बन गए। तब से यह सीट खाली थी। मिल्कीपुर में उपचुनाव दिसंबर में होने थे, लेकिन भाजपा नेता गोरखनाथ ने अवधेश प्रसाद के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर रखी थी।

कितने चेहरों का पानी बहा ले गई यमुना...!

1377 किमी बहने वाली यमुना नदी के एक 'घोट दिल्ली' पर इस बार जबरदस्त सियासी संघर्ष चला। इसके केंद्र में यमुना ही रही। बावजूद इसमें यमुना की फिक्र कम जिक्र ज्यादा रहा। वैसे भी यमुना के नाम पर संघर्ष करने वाले सियासी योध्दा सिर्फ चुनाव के वक्त ही वे लौटकर-लौटकर इसके घाट पर आते रहे हैं। यमुना के दिल्ली तक आकर और प्रयागराज तक की यात्रा में न जाने कितना पानी बह चुका है लेकिन न यमुना सूखी न सियासत। कवियित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने यमुना और श्रीकृष्ण से जुड़ी कविता में लिखा है- *यह कदम्ब का पेड़ अगर मां होता यमुना तीरे, मैं भी उस पर बैठ कन्हैया बनता धीरे-धीरे।* इस कविता की पंक्तियां बोध कराती हैं कि यमुना भक्ति का कितना बडा प्रतीक है, मगर दिल्ली में बसे राजनीतिज्ञों ने हमेशा ऐसी नहीं बल्कि 'वैसी' भक्ति दिखाई है, यानि सिर्फ सत्ता के कदंब पर बैठने की भक्ति। गंगा को यदि उजली माना जाता है तो यमुना का पानी सदैव गहरा व आम बोलचाल में अपेक्षाकृत काला कहा जाता है। यमुना ही ऐसी नदी है जो समुद्र में जाकर नहीं मिलती। वह शांति से निर्विकार-निराकार प्रयाग में अदृश्य होकर गंगा में मिल जाती है। कहा जा सकता है, इस बार अबूझ यमुना ने केजरीवाल का गुरूर तोडा तो कांग्रेस की खुशफहमी भी दूर कर दी। अब भाजपा को यमुना के प्रति अपना फर्ज व सियासी कर्ज उतारने की बारी है। दिल्ली में विकास के रुके (या रोके गए) पानी को रवानी देने की बारी है। इस बार यमुना अपने पानी में कितनों को बहाकर ले गई और कितनों को डुबाया या उतरा दिया, सामने है।

नजरिया
आशीष दुबे

सीएम आतिशी समेत 3 मंत्री पीछे, 3 को बढ़त

- आतिशी कालकाजी सीट से 1342 वोटों से भाजपा के रमेश बिधूड़ी से पीछे चल रही हैं।
- सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश सीट से 2583 वोटों से भाजपा की शिखा राय से पीछे चल रहे हैं।
- गोपाल राय बाबरपुर सीट से 8995 वोटों से आगे हैं। यहां भाजपा के अनिल वशिष्ठ दूसरे नंबर पर हैं।
- इमरान हुसैन बल्लीमारन सीट से 1834 वोटों से आगे चल रहे हैं। भाजपा के कमल बागरी दूसरे नंबर पर हैं।
- मुकेश अहलावत सुल्तानपुर माजरा सीट से 2492 वोटों से आगे चल रहे हैं।
- भाजपा के करम सिंह दूसरे नंबर पर हैं।
- राघवेंद्र शौकीन नांगलोई जाट सीट से 2038 वोट से पीछे चल रहे हैं। भाजपा के मनोज शौकीन यहां आगे हैं।

और लड़ो आपस में.. !

आज जा रहे चुनाव परिणामों पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने चुटकी ली है। उन्होने सत्तारूढ आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन पर तंज कसा है और पोस्ट में लिखा- और लड़ो आपस में..। दरअसल आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच चुनाव तालमेल नहीं हुआ था जबकि इंडिया गठबंधन में दोनों पार्टी साथ हैं। केजरीवाल ने सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और कांग्रेस ने भी ऐसा ही किया।

सिसोदिया हारे....

जंगपुरा सीट पर आप के मनीष सिसोदिया चुनाव हार गए हैं. बीजेपी के तरविंदर सिंह मारवाह ने यहां से जीत दर्ज की है. इस सीट पर सिसोदिया और मारवाह के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली थी.

महबूबा को बेटी इल्तिजा समेत हाउस अरेस्ट किया गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने दावा किया है कि उन्हें और उनकी मां को हाउस अरेस्ट कर दिया गया है। इल्तिजा के मुताबिक महबूबा मुफ्ती को सोपोर जाने से रोका गया, जहां इसी हफ्ते ट्रक चालक वसीम अहमद मीर की मौत हुई थी। वहीं, इल्तिजा खुद कठुआ जाकर माखन दीन के परिवार से मिलने वाली थीं। उन्हें भी घर से बाहर निकलने नहीं दिया जा रहा है। दरअसल बारामूला के संग्रामाहा में इसी हफ्ते सेना की गोलीबारी में ट्रक चालक वसीम अहमद मीर की मौत हो गई थी, बताया गया कि मीर ने सेना की चेकपोस्ट को कथित रूप से अनदेखा किया, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने 23 किलोमीटर तक उसका पीछा किया व संग्रामा चौक पर ट्रक के टायरों पर गोली चलाकर उसे रोका गया, मीर घायल मिला बाद में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महाकुंभ: संगम पर राजस्थान सरकार, रीवा में फिर जाम

प्रयागराज/रीवा, एजेंसी

महाकुंभ को लेकर एक बार फिर उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के सीमा चाकघाट पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है। कल सुबह से ही धीमी गति से वाहनों को रवाना किया जा रहा था वही आज सुबह 9 बजे तक वाहनों के पहिए ही थम गए हैं। इसके कारण तकरीबन 5 किलोमीटर का लंबा जाम अब तक लग चुका है। दूसरी तरफ आज प्रयागराज में राजस्थान की पूरी कैबिनेट संगम में डुबकी के लिये पहुंची है। तथा यहीं बने राजस्थान पवैलियन में कैबिनेट बैठक भी कर रही है। बताया जाता है कि प्रयागराज में अब तक 40.68 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। अभी मेला 18 दिन और चलेगा। आज संगम पर श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ रहेगी। रविवार को भी ज्यादा लोगों के आने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन अलर्ट पर है।

जीबी सिंड्रोम के नए मामले, अब तक हो चुकी 6 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के 7 नए मामले सामने आए है। इसके बाद जीबी सिंड्रोम के कुल मामले बढ़कर 180 हो गए हैं। इससे अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 58 मरीज आईसीयू और 22 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं, जबकि 79 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इन 180 मामलों में पुणे से 123, पिंपरी-चिंचवाड़ से 25, पुणे ग्रामीण से 24 मामले और दूसरे जिलों से 8 मामले हैं। बताया गया है कि इस सिंड्रोम के सबसे ज्यादा मामले नांदेड़ के पास स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी से आए। यहां के पानी का सैंपल लिया गया था, जिसमें कैंपिलोबैक्टर जेजुनी पॉजिटिव पाया गया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने इसकी पुष्टि की है।

मुख्यमंत्री यादव भी प्रयागराज में

भोपाल, एजेंसी

मप्र के मुख्यमंत्री. मोहन यादव भी आज प्रयागराज में हैं। वे महाकुंभ में वीआईपी घाट त्रिवेणी संकुल पर गंगा स्नान के बाद विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लेंगे व दिनभर महाकुंभ में रहेंगे। इससे पहले आज सुबह वे इंदौर से प्रयागराज रवाना होने से पहले उन्होंने दिल्ली में बीजेपी की जीत पर खुशी जाहिर की और पार्टी नेताओं को मिठाई खिलाई।

डंकी रूट : अमेरिका भेजने वाले चार एजेंट्स पर प्रकरण दर्ज

चंडीगढ़, एजेंसी

अमेरिका से डिपोर्ट होकर लौटे लोगों की शिकायत पर पुलिस ने अवैध तरीके से अमेरिका भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। करनाल पुलिस ने कुल चार एजेंटों पर केस दर्ज किया है। एक पीड़ित आकाश के भाई की शिकायत पर जालंधर के दो एजेंटों पर मधुबन थाने में केस दर्ज किया गया है। वहीं, असंध के बसी गांव निवासी सुमित की शिकायत पर दो अन्य एजेंटों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सभी एजेंटों पर धोखाधड़ी के साथ-साथ इमीग्रेशन एक्ट में कार्रवाई की गई है। आकाश और सुमित हरियाणा के उन्हीं 34 लोगों में शामिल हैं, जिन्हें अमेरिका से पांच फरवरी को अमेरिकी सैन्य विमान में हाथ-पैर जंजीरों से बांधकर अमृतसर एयरपोर्ट भेजा गया था। एजेंटों ने आकाश और सुमित से करीब 85 लाख रुपये की धोखाधड़ी की है।

मेट्रो एंकर

महिला की सीट बदलने के अनुरोध से बौखलाया यात्री

हवाई जहाज की खिड़की तोड़ी, घबराए मुसाफिरों ने बांधकर किया काबू

नईदिल्ली, एजेंसी

हवाई यात्रा के दौरान एक अजब घटना में यात्रियों के मुसीबत में पड़ने का मामला सामने आया है। दरअसल अमेरिका में फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट में एक यात्री ने हवाई जहाज की खिड़की तोड़ दी, फिर वो सामने वाली सीट पर मुक्का मारने लगा। इसके बाद आसपास के पैसेंजर ने किसी तरह पकड़कर उसे यात्रियों ने जूते के फीते से बांधकर काबू किया। बीती रात को डेनवर से ह्यूस्टन की यात्रा के 20 मिनट बाद विमान में गड़बड़ी आ गई। खबरों के मुताबिक यात्री विक्टोरिया क्लार्क ने बताया कि जब उसकी सीट पर बैठी दूसरी महिला ने फ्लाइट अटेंडेंट से सीट बदलने को कहा तो एक अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने सामने वाली सीट पर मुक्का मारना शुरू कर दिया। जब भयभीत महिला अपनी सीट से उठी, तो उस व्यक्ति ने खिड़की पर लात मारी, जिससे अंदर का प्लेक्सीग्लास कवर पैनल टूट गया। खिड़की को हुए नुकसान से विमान की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं हुआ। यह फ्लाइट ह्यूस्टन के बुश इंटरकॉन्टिनेंटल हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गई। उस व्यक्ति के बगल में और सामने बैठे यात्री संभावित खतरे से बचने के लिए अपनी सीटें छोड़कर चले गए। अपनी तीन साल की बच्ची के साथ यात्रा कर रही क्लार्क ने बताया कि उस वक्त आस-पास कोई क्रू मेंबर नहीं दिखा।. गलियारे के दूसरी ओर भी फ्लाइट अटेंडेंट अचानक गायब हो गए थे। कुछ देर के लिए सिर्फ मैं और हंगामा कर रहा आदमी ही वहां थे। उन्होंने बताया कि ये देख मैं घबरा गई, मुझे घबराहट का दौरा पड़ने लगा। मैं रोने लगी और मदद के लिए चिल्लाने लगी। क्लार्क द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में दिख रहा कि कुछ साहसी यात्रियों ने हंगामा कर रहे शख्स को काबू किया। वायरल वीडियो के अनुसार, उस शख्स को व्हीलचेयर पर बांधकर हवाई अड्डे पर घुमाया जाता हुआ देखा गया। ह्यूस्टन पुलिस ने उस व्यक्ति का नाम या घटना के पीछे का कारण अभी तक उजागर नहीं किया है। फ्रंटियर एयरलाइंस ने उस व्यक्ति के खिलाफ आरोप दायर नहीं किया है, लेकिन एफबीआई को जांच के लिए बुलाया गया है।

राजधानी में बीते साल में 235 लोगों की सड़क हादसों में मौत

शहर की सड़कों पर नहीं हो रहा नियमों का पालन, इसलिए बढ़े हादसे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सड़क हादसों में लोगों की लगातार जाने जा रही है लेकिन सड़को पर नियमों का पालन होता नजर नहीं दिख रहा है। नतीजा ये है कि 2024 में सड़क हादसों में 235 लोगों ने अपनी जान गवाई है। पुलिस की चालानी कार्रवाई में भी 2023 के मुकाबले इजाफा हुआ, लेकिन फिर भी मौत के आकड़े बढ़े है। हालांकि पिछले तीन साल में सबसे ज्यादा चालानी कार्रवाई 2022 में हुई थी उसके बाद 2023 में चालानी कार्रवाई में कमी आई लेकिन फिर 2024 में चालानी कार्रवाई में बढ़ौतरी हुई, परंतु ये भी 2022 के मुकाबले कम थी। वहीं सड़क हादसों की बात करें तो भोपाल में 2024 में 2900 सड़क हादसे हुए जिसमें से सबसे ज्यादा 192 सड़क हादसे कोहेफिजा थाना क्षेत्र में हुए, जबकि सबसे ज्यादा 25 मौतें खजूरी सड़क थाना क्षेत्र अंतर्गत हुई जबकि यहां सड़क हादसों का आकड़ा 137 था। सड़क हादसों के पैटर्न में ये भी देखा गया है कि पिछले तीन सालों में सड़क हादसों के आकड़ों में कमी आई लेकिन मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

हादसे, मौतें, घायलों व चालानी कार्रवाई के आंकड़े

जानें कब क्या	2022	2023	2024
सड़क हादसे की संख्या	2788	2906	2900
मौतों की संख्या	205	196	235
घायलों की संख्या	2151	2186	2223
चालानी कार्रवाई की संख्या	85933	56828	68365

हेलमेट और सीट बेल्ट न लगाना मौत की वजह

हेलमेट और सीट बेल्ट न लगाने की वजह से सड़क हादसे जानलेवा साबित हो जाते है। अब तक कई रिपोर्टर्स जांच में ये सामने आया है कि जिन हादसों में मौत हुई है वहां नियमों का पालन नहीं किया गया था। दो पहिया वाहन से होने वालों हादसों में हेलमेट न लगाना मौत की सबसे बड़ी वजह रहा है। वहीं ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि ट्रैफिक नियमों के पालन करवाने के लिए पुलिस की तरफ से लगातार लोगों को जागरूक किया जा रहा है, वहीं नियमों का पालन ने करने पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए है।

शहर में बढ़ रहे इलेक्ट्रिक वाहन, दस फीसदी बिजली की खपत इलेक्ट्रिक वाहनों पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में तेजी से इलेक्ट्रिक वाहन बढ़ रहे हैं, इससे बिजली की खपत भी बढ़ी है। बिजली कंपनी के नए आंकलन में वर्ष 2026 में करीब तीन करोड़ यूनिट एक माह में ही इ-व्हीकल पर खर्च होगी। सालभर में ये 36 करोड़ यूनिट के करीब रहेगी। बीते तीन साल में इलेक्ट्रिक वाहनों पर बिजली खर्च में दस गुना तक बढ़ोतरी दर्ज हुई। अभी 2025 में एलटी और एचटी श्रेणी के इव्हीकल श्रेणी में 26.08 मिलियन यूनिट यानि करीब 26 लाख यूनिट माह में खर्च का अनुमान है। 2026 में ये प्रतिमाह 30 लाख यूनिट माह की बनेगी।

शहर में सवा लाख इलेक्ट्रिक व्हीकल

शहर में इ-व्हीकल की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यहां 800 से अधिक इलेक्ट्रिक व्हीकल की हर माह बिक रहे हैं। इस समय शहर की सडक़ों पर करीब सवा लाख इलेक्ट्रिकल व्हीकल है। शहर में अभी इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग के लिए सिस्टम नहीं बना है। मप्र विद्युत नियामक आयोग ने इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन के लिए टैरिफ में दर जरूर तय कर दी है। अब जब चार्जिंग सिस्टम विकसित होगा और व्यवसायिकतौर पर व्हीकल चार्जिंग सुविधा शुरू होगी तो तेज से खपत का ग्राफ बढ़ेगी। विद्युत विभाग का कहना है कि बिजली खपत में इलेक्ट्रिक व्हीकल एक बड़ा सेगमेंट बन रहा है। इसके लिए हमारी तैयारी है।

अतिरिक्त बिजली की मांग की स्थिति में उत्पादन पर भी फोकस है।

ऐसे समझें बिजली कंपनी का आंकलन:

हाइटेंशन लाइन वाले वाहनों का कनेक्शन। 2.47 मिलियन यूनिट खपत थी 2024 में प्रतिमाह 19.08 मिलियन यूनिट खपत रही 2025 में प्रतिमाह 20.98 मिलियन यूनिट खपत आंकलित है 2026 में प्रतिमाह, 75 लाख यूनिट बिजली की खपत रोजाना है अभी शहर में 8 रुपए प्रतियूनिट की दर से बिजली बिल की वसूली होती है। 6 करोड़ रुपए की बिजली रोजाना बेची जाती है। 180 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली का लक्ष्य तय होता है। 12 करोड़ रुपए से अधिक की बिजली इलेक्ट्रिक व्हीकल खर्च कर रहे हैं अभी 25 हजार सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य तय है 900 मेगावाट सोलर से बनाने का शासन ने भोपाल को लक्ष्य दिया है।

छोटी-बड़ी खबरें

एमपी-पीएससी की राज्य सेवा परीक्षा 16 फरवरी को

भोपाल. एमपी-पीएससी की राज्य सेवा परीक्षा 16 फरवरी को आयोजित होगी, जिसमें 158 पदों के लिए 1.18 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। पदों की संया में लगातार गिरावट से अभ्यर्थियों में नाराजगी है। 2019 में जहां 571 पद थे, वहीं 2025 में सिर्फ 158 पद ही निकाले गए हैं। आंकड़ों को देखा जाए तो पदों की संया घटने के साथ ही आवेदकों की संया भी लगातार घट रही है। एक पद के लिए 747 उमीदवारों के बीच मुकाबला होगा। आयोग पहले ही विभागों को पद बढ़ाने के लिए पत्र भेज चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। अगले हते बैठक में पद बढ़ाने पर चर्चा होने की उमीद है। 2024 में 700 पदों की मांग को लेकर बड़ा आंदोलन हुआ था, लेकिन इसके बावजूद सिर्फ 158 पद ही स्वीकृत किए गए। खासकर डिप्टी कलेक्टर के मात्र 10 पद होने से अभ्यर्थी खासे नाराज हैं।

हर छात्र को 30 वर्गमी. जगह, नहीं तो विवि को मान्यता नहीं

भोपाल. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने नए विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए पहली बार कैंपस की जमीन से जुड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत कम से कम 20 एकड़ जमीन जरूरी होगी। साथ ही विश्वविद्यालयों को अब पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों की शारीरिक व मानसिक सेहत का भी ध्यान रखना होगा। हर छात्र के लिए कैंपस में कम से 30 वर्गमीटर जगह होनी चाहिए। संस्थानों की ओपन एरिया ऐसी होगी जहां हरियाली, घूमने-बैठने की जगह, योग केंद्र व जिम बन सके। महानगरों 10 एकड़ में से तीन एकड़ पर हरियाली होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) में 2035 तक सकल नामांकन अनुपात 50 फीसदी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को वर्ष 2040 तक मल्टीडिसिप्लनरी यानी बहुविषयक संस्थान में बदल दिया जाएगा।

युवा सिंधी मंच के फिर अध्यक्ष बने नंदवानी

हिरदाराम नगर. युवा सिंधी मंच की कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया और कुछ को पद से मुक्त किया गया। युवा सिंधी मंच संस्थापक अध्यक्ष जयराम नंदवानी ने बताया कि नए पदाधिकारियों में अध्यक्ष जयराम नंदवानी, संरक्षक राजकुमार मनवानी, महेश खटवानी मुख्य सलाहाकार, गुरदास रामचंदानी उपाध्यक्ष, आसू नंदवानी सचिव, रुपचंद सोनी कोषाध्यक्ष, घनश्याम मोरंदानी आडिटर बनाए गए हैं। मंच ने संतजी का जन्मदिवस एवं पुण्यतिथि के साथ-साथ महाशिवरात्रि अपनी गतिविधियों में शामिल किया।

ठंडी हवाओं ने फिर ठिठुराया

भोपाल। पिछले दो दिनों से चल रही ठंडी हवाओं के कारण लोगों ने फिर से दिन में गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं। जबकि दो पहले गर्मी की वजह से अधिकतर लोगों ने स्वेटर या जैकेट दिन में पहनना बंद कर दिया था। हवा का रुख उत्तरी होने के साथ तेज गति से हवा के चलने के कारण गुरुवार को न्यूनतम तापमान में 3.2 डिग्री की गिरावट आ गई। फरवरी की शुरुआत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान बढ़ा हुआ था। शनिवार को धूप में भी सर्द हवाएं चलीं। इससे मौसम में ठंडक रही। हवा की अधिकतम रतार 18 से 20 किमी के आसपास रही।

सड़कों पर बह रहा सीवेज का पानी, कलेक्टर-आयुक्त से जवाब तलब

मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दो मामलों में लिया संज्ञान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर के वार्ड नंबर 67 में पिपलानी स्थित रजत नगर की सड़कों पर सीवेज का पानी बहने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि रहवासियों के अनुसार, विगत डेढ़ साल से सिद्धार्थ एवं कमला नगर से बहकर सीवेज का पानी कॉलोनी की सड़कों पर बह रहा है, इस कारण कॉलोनी वासियों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तलब किया है।

पाइप लाइन बिछाने खोदी पक्की सड़क, सुधारना भूले

भोपाल जिले के बैरसिया स्थित हरसिद्धि धाम का पहुंच मार्ग श्रद्धालुओं और ग्रामीणों के लिये मुसीबत का सबब बनने का मामला सामने आया है। यहां बारिश के दिनों में यहां पाइप लाइन बिछाने के दौरान पक्की सड़क की खुदाई कराई गई थी, जिसके बाद विगत छह महीने से मरम्मत कार्य नहीं कराया गया है। इस कारण सड़क पर से आवाजाही करने वाले वाहन चालकों को कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने कलेक्टर से जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

अब मेट्रो के लिए नादरा बस स्टैंड क्षेत्र में होगा विस्थापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायण ने मेट्रो रेल स्टेशन निर्माण कार्यों के तहत नादरा बस स्टैंड क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मेट्रो रेल कार्य स्थल की दुकानों, पेयजल और सीवेज लाइनों के विस्थापन के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और नगर निगम के अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त को बताया गया कि मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए नादरा बस स्टैंड क्षेत्र की दुकानों और जलप्रदाय और सीवेज पाइप लाइनों आदि को शिट किया जाना है, क्योंकि मेट्रो रेल अंडरग्राउंड होगी। आयुक्त ने योजनाबद्ध तरीके से कार्यों को संपादित करने की बात कही और जल्द ही इन विस्थापनों को पूरा करने के निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर

शिव पार्वती विवाह, श्रीराम जन्मोत्सव मना

मनुष्य को पुण्य मार्ग पर चलना चाहिए: गिरीजी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सात दिवसीय संगीत में श्री राम कथा का आयोजन कंकाली धाम पर चल रहा है, व्यास पीठ से स्वामी महामंडलेश्वर भागवतानंदजी गिरी कथा का वाचन कर रहे हैं। कथा के तीसरे दिन शिव-पार्वती का विवाह सम्पन्न हुआ। भागवतानंदजी ने कहा बेटी जब मंदिर जाती है तो सबसे पहले माँ बाप के स्वस्थ की कामना करती है जीवन में मनुष्य को धर्म पुण्य एवं सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए जैसे मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जैसा मनुष्यों को बनना चाहिए। कथा में शिव-पार्वतीजी विवाह हुआ। कथा में प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव भी हुआ। कथा में विष्णु विश्वकर्मा, प्रेम नारायण विश्वकर्मा, एवं संत गौ रक्षा उत्थान समिति के आचार्य पंडित रवि पटेरिया व्यास पीठ का आशीर्वाद लिया।

शिवरात्रि पर विशेष पूजन

नुक्कड़ वाली माता मंदिर में महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी को विशेष पूजन होंगे। कालसर्प, पितृदोष, ग्रह शांति निवारण, पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं ग्रह बाधा शांति पूजन, सहस्त्र धाराओं द्वारा बाबा महाकाल का रुद्र अभिषेक किया जाएगा। मंदिर के पुजारी पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि पूजन के 20 फरवरी तक लोग पंजीयन करा सकते हैं। उन्हें 9993031633 व 8319219450 पर संपर्क करना होगा। कार्यक्रम आचार्य राजेश शर्मा, मुख्य यजमान विष्णु विश्वकर्मा, मुख्य सूत्रधार रवि पटेरिया रहेंगे। आयोजन समिति के सदस्य कमल मनसुखानी, भूपेन्द्र सिंह गुर्जर, रुप कुमार सोनी, विवेक नगरुरकर, रमेश किशनानी, बलराम मेहता, राजदीप खेमचंदानी, रोहित परमार, रामजी ठाकुर, पं राहुल दुबे, संदीप पाठक, नंदू जोशी, अनिल हुण्डेत, रानू चौहान, नवीन रामचंदानी रहेंगे।

अत्यंत रहस्यमय और आध्यात्मिक पर्व होती है गुप्त नवरात्रि: साईंजी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

टेम्पल ऑफ संबोधि में वेदांत संत लाल साईंजी महाराज ने साधकों को नवमी पर हुए महोत्सव में भक्तिभाव से देवी आराधना को विस्तार से बताया। उनके वचनों में माँ के प्रति गहरी श्रद्धा और भक्ति की मधुर धारा प्रवाहित हो रही थी। उन्होंने देवी के विभिन्न स्वरूपों और उनकी उपासना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए साधकों को आंतरिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति के उपाय समझाए। उनके प्रवचन ने साधकों को देवी आराधना के गहरे अर्थ और जीवन में उसकी उपयोगिता को समझने में सहायता प्रदान की। उन्होंने बताया कि गुप्त नवरात्रि, शक्ति उपासना का एक अत्यंत रहस्यमय और आध्यात्मिक पर्व है, जिसमें साधक गहन तपस्या और साधना के माध्यम से माता आदिशक्ति के दस रूपों की उपासना करते हैं। ये दस महाविद्याएँ तंत्र साधना और आध्यात्मिक जागृति की प्रतीक हैं।

इंवेस्टर्स समिट से पहले राजधानी को चकाचक बनाने के लिए करोड़ों मिले

...और फिर 99 के फेर में लोक निर्माण!

राजधानी की तीन दर्जन सड़कों को चमकाने के लिए 25 करोड़ और वीआईपी गेस्ट हाउस व लोनिवि के विश्रामग्रह पर भी किया खर्च

पीएम के लिए स्टील के बैरिकेड्स

सरकार ने पीएम व अन्य अति विशिष्ट अतिथियों के लिए मंच के चारों और सुरक्षा डी बनाने शोभनीय स्टील बेरिकेड के लिए भी 59 लाख रूलये मंजूर किए हैं। वहीं ग्लोबल समिट स्थल मानव संग्रहालय के आसपास 15 एकड क्षेत्र में पार्किंग स्थल के विकास कार्य में 80 लाख रूपये खर्च किये जा रहे हैं।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी को सजाने और संवारने के ताजा दौर में तीन दर्जन सड़कों को चकाचक बनाने के लिए सरकार ने करीब 25 करोड रूपये की मंजूरी दी है। यह काम आगामी महीनों में होंगे। बताया जाता है कि इनमें हर काम काम एक करोड़ रूपये से कम लागत के हैं, यानि अधिकांश 99 लाख के आसपास हैं। इसमें पेवर ब्लाक समेत फुटपाथ का निर्माण भी शामिल है ।

जानकारी के मुताबिक हाल में लोक निर्माण विभाग की स्थाई समिति की बैठक में इन कामों का अनुमोदन किया गया है। चूंकि यह एक एक करोड से कम के हैं लिहाजा बजट पुस्तिका से अलग रखकर इन्हें मंजूरी दी गई है। हालांकि अफसरों को निर्देश दिये गये हैं कि वे स्वीकृत लागत से ज्यादा के काम कदापि न कराएं। उल्लेखनीय है कि तात्कालिक तौर पर इस वक्त इंवेस्टर्स समिट के लिये भोपाल की सडकों को दुरुस्त करने और इनके आसपास की सुंदरता बढाने के लिये पेंटिंग आदि काम कराए जा रहे हैं। अब हाल में मंजूर कामों में से शहर के अंदरुनी हिस्से वाले काम अगले कुछ महीने में पूरे होंगे। इसके तहत सरकार की नजरें जोर राजभवन के आसपास की सड़के,मछलीघर से पीएचक्यू, पलाश होटल,वनविहार,सैरसपाटा मार्ग,विधानसभा से भोपाल हाट,रेतघाट से कोहेफिजा जंक्शन,डिपो चौराहा से भदभदा मार्ग तक हैं। इन सड़कों पर दोनों तरफ शोल्डर,पेवर ब्लाक,फुटपाथ,साइनेज आदि का काम तत्काल कराया जाएगा। हरेक काम की लागत 80 से 99 लाख रूपए के आसपास तय की गई है। भीतरी मार्ग के तहत नये भोपाल के गुलमोहर सेवाए कांप्लेक्स से दानापानी तिराहे की तरफ जाने वाली सडक को भी संवारने के लिये 83 लाख की मंजूरी मिली है। हालांकि आसपास सड़के भी बदहाल हैं।

वीआईपी व लोनिवि गेस्टहाउस संवरेगा

ग्लोबल समिट और वीवीआईपी आगमन के चलते राजधानी में लालघाटी पर स्थित वीआईपी रेस्टहाउस को भी चमकाने का काम हो रहा है। इसके तहत यहां करीब ढाई करोड रूपये खर्च किये जा रहे हैं। लगभग इतना ही खर्च लोनिवि के गेस्ट हाउस क्रमांक एक व दो पर किया जा रहा है। वीआईपी गेस्टाहाउस में कैंपस को संवारने के साथ ही फर्नीचर व रंगरोगन आदि काम होगा। इसके अलावा स्टेट हैंगर में भी पेवर ब्लाक फ्लोरिंग,किचन,टायलेट आदि को बेहतर बनाने पर खर्च को मंजूरी मिली है। यहां कैनोपी भी लगाई जा रही है।

डॉ. कुड़रिया अवधेश प्रताप सिंह विवि के कुलगुरू नियुक्त

भोपाल। राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलगुरू के पद पर डॉ. राजेन्द्र कुमार कुड़रिया को नियुक्त किया है। डॉ. कुड़रिया शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर के भौतिक शास्त्र के प्राध्यापक है। उनका कार्यकाल, कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 4 वर्ष की कालावधि अथवा 70 वर्ष की आयु जो भी पूर्वतर हो, के लिए रहेगा।

पीड़ित छात्रा के खुदकुशी के मामले में एसपी को जांच के निर्देश, रिपोर्ट भी तलब

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष (कार्यवाहक) मनोहर ममतानी एवं सदस्य राजीव कुमार टंडन ने भोपाल जिले के भोपाल जिले के सूखी सेवनिया क्षेत्र के एक निजी स्कूल में शिक्षक की छेड़छाड़ से पीड़ित छात्रा के खुदकुशी के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि पीड़ित छात्रा के खुदकुशी के 13 दिन हो जाने के बावजूद भी अब तक पुलिस द्वारा न तो आरोपित शिक्षक की गिरफ्तारी हो पाई है, और न ही जिस स्कूल में छात्रा के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई है, उस पर कोई एक्शन हो पाया है। मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। मामले में आयोग ने पुलिस धीक्षक(देहात) को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी तलब किया है।

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शुरू की आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश योजना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैम्बू प्रोसेसिंग का दिया जा रहा है प्रशिक्षण, 36 मशीन लगाई गईं, 20 विद्यार्थियों को मौका

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड ने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश योजना प्रारंभ की है। योजना के अंतर्गत महत्वाकांक्षी पायलट प्रोजेक्ट प्रारंभ किया गया है। पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, माटी कला, सोलर एनर्जी, परिधान निर्माण, बाँस कला इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रारंभ किये गये हैं। शाजापुर जिले में कौशल विकास के लिये राज्य स्तरीय उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की गयी है। कौशल केन्द्रों के माध्यम से मास्टर ट्रेनर्स तैयार किये जा रहे हैं। शुजालपुर नगर का बैम्बू, सिरेमिक क्षेत्र में पायलट परियोजना में चयन किया गया है। इस क्षेत्र के 20 विद्यार्थियों को बेम्बू एण्ड केन डेव्हलपमेंट इंस्टीट्यूट त्रिपुरा के अगरतला में एक माह का प्रशिक्षण दिलाया गया है। प्रशिक्षण का सारा खर्च मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा वहन किया गया। राज्य स्तरीय कौशल विकास केन्द्र शुजालपुर में 30म15 मीटर के एक शेड का निर्माण किया गया है, जिसमें बैम्बू प्रोसेसिंग की 36 मशीन लगाई गई हैं। चयनित हितग्राहियों को बैम्बू कार्य का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

माशिमं की बोर्ड परीक्षाएं नजदीक, हेल्पलाइन पर बढ़ी कॉल्स की संख्या, रोज 200 से 250 कॉल

भोपाल , दोपहर मेट्रो

विद्यार्थियों के अलावा शिक्षक व अभिभावक भी शामिल, पेपर पैटर्न, परीक्षा केंद्र, तनाव को लेकर पूछ रहे हैं अधिक सवाल

प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 24 फरवरी से शुरू होने वाली कक्षा दसवीं-बारहवीं की मुख्य परीक्षाओं को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। इस बार माशिमं ने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता के साथ कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केंद्रों पर नजर रखने की व्यवस्था की है। वहीं दूसरी ओर परीक्षाओं के नजदीक आते ही माशिमं हेल्पलाइन पर आने वाली कॉल्स की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। रोजाना हेल्पलाइन पर 200 से 250 कॉल पहुंच रहे हैं। इसमें विद्यार्थियों के अलावा शिक्षक और अभिभावक भी शामिल हैं। हेल्पलाइन सेंटर में तैनात काउंसलर्स के मुताबिक बोर्ड परीक्षाओं के नजदीक आने के कारण हेल्पलाइन पर कॉल्स बढ़े हैं। इसमें सबसे अधिक सवाल पेपर पैटर्न, परीक्षा केंद्र, तनाव को लेकर हैं। इसके अलावा पर्सनल प्रोब्लम, स्ट्रेस और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कॉल बढ़े हैं।

दिव्यांग विद्यार्थियों को मिलेगी विशेष सुविधाएं

परीक्षा में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कई सुविधाएं दी गई हैं। इसके लिए माशिमं ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। माशिमं ने 21 प्रकार की दिव्यांगता को विशेष सुविधाओं में शामिल किया है। वे अपने साथ लेखक को ले जा सकेंगे। साथ ही कंप्यूटर या टाइप राइटर चयन की सुविधा भी दी गई है। इन सभी की जानकारी स्कूलों को 15 फरवरी तक माशिमं को उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा इन विद्यार्थियों को तीन घंटे की परीक्षा के दौरान एक घंटे का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इसमें दृष्टिबाधित, मानसिक कमजोर एवं हाथ की हड्डी टूट जाने या हाथ की खराबी के कारण लिखने में असमर्थ, थैलेसीमिया व सिकल सेल से पीड़ित सहित अन्य दिव्यांग विद्यार्थियों को यह राहत मिलेगी।

तबादलों के लिए ढूंढे नहीं मिल रहे कई मंत्री, सरकार का अल्टीमेटम

जीआईएस के पहले जरुरी तबादले नहीं, तो सिफारिश होगी अस्वीकार, सीएम ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सरकार ने मंत्रियों को जरुरी तबादला करने संबंधी अधिकार दिए हैं लेकिन अब कई मंत्री आनाकानी कर रहे हैं और तबादला के इच्छुक लोगों को मिल नहीं रहे हैं। जिसकी वजह से लोगों को चक्कर लगाने पड़े रहे हैं। इस स्थिति इसलिए बन रही है क्योंकि कई मंत्रियों का शैड्यूल आम लोगों को पता ही नहीं चल रहे हैं। यह बात सीएम तक पहुंची है, जिस पर उन्होंने जरुरी तबादला नीति की शुक्रवार मंत्रालय में सीएस के साथ समीक्षा की। जिसमें कहा है कि जो भी तबादले होंगे, यदि वे जरुरी होंगे तो उन्हें प्राथमिकता के साथ जीआइएस के पहले कर दें। सरकार ने मंत्रियों को ये अधिकार महेश्वर में हुई कैबिनेट बैठक में दिए थे। तभी तबादले करने संबंधी मापदंड भी तय किए थे। इस मापदंड में जो भी कर्मचारी आएंगे, उनके तबादले किए जाने हैं।

जंबो तबादला नीति अप्रैल में

कर्मचारियों के लिए सरकार की जंबो तबादला नीति अप्रैल तक आएगी। इसमें तबादले के लिए कई रियायतें दी जाएंगी। बीते साल ही यह नीति आनी थी लेकिन चुनाव और अन्य तैयारियों व कामकाज के चलते नीति को होल्ड करना पड़ा था।

आईपीएस सर्विस मीट

आईपीएस सर्विस मीट के दौरान सीएम मोहन यादव ने पुलिस अफसरों के साथ ग्रुप फोटो खिंचाया और शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए।

मेट्रो एंकर अब ताप्ती नदी पर बड़ा बांध नहीं बनेगा, मप्र व महाराष्ट्र की 28 लाख आबादी के डूब में जाने का था खतरा

जो सहमति 40 साल में भी नहीं बन सकी वह 40 मिनट में बन गई!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के बीच ताप्ती नदी पर बांध बनाने को लेकर जिन समस्याओं का निराकरण पिछले 40 साल से नहीं हो रहा था। मप्र के नेतृत्व में उनका हल शुक्रवार को महज 40 मिनट में निकल गया। सीएम डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह तय हो गया कि ताप्ती नदी पर दोनों राज्यों के बीच बड़ा बांध नहीं बनेगा।

इसकी जगह 4 बड़ी इकाईयों का निर्माण होगा। ये ग्राउंड वाटर रिचार्ज करने वाली इकाइयां होंगी, जो विश्व की सबसे बड़ी पहली इकाईयां होंगी। इनके जरिए दोनों राज्यों की 3,57,788 हेक्टेयर जमीन को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। इनके निर्माण से आबादी डूब में नहीं जाएंगी।

दोनों राज्य सहमत नहीं थे

जानकारी के मुताबिक केंद्र द्वारा 1971 में कराए सर्वे के मुताबिक तब बड़ा बांध निर्माण करने से दोनों राज्यों के 14 लाख लोगों के डूब में जाने का अनुमान जताया गया था। जिस पर दोनों राज्य सहमत नहीं थे। दोनों ही राज्य अपने-अपने राज्य की सीमा में कब से कम डूब प्रभावित क्षेत्र आए, इस पर अड़े थे इसके कारण सर्वे के बावजूद काम नहीं हो रहा था।

जबकि 1986 में ही तय हो गया था कि उक्त बांध से दोनों राज्यों को 31.13 टीएमसी पानी मिलेगा। मप्र को 11.76 टीएमसी को और महाराष्ट्र को 19.36 टीएमसी पानी मिलेगा।

बांध के लिए 17 हजार हेक्टेयर जमीन की जरुरत पड़ेगी। तब इसके निर्माण पर 19 हजार 244 करोड़ खर्च प्रस्तावित था, 75 गांव डूब की जद में आ रहे थे। आज की स्थिति में डूब में जाने वाली आबादी की संख्या करीब 28 लाख हो गई है लेकिन इकाइयों के निर्माण से मप्र की 3362 हेक्टेयर और महाराष्ट्र की 4756 हेक्टेयर जमीन पर ही होगा।

एक नजर: मेगा ग्राउंट वाटर रिचार्ज परियोजनों

यह मप्र व महाराष्ट्र की संयुक्त परियोजना है। इसमें मप्र के 1,23,082 हेक्टेयर क्षेत्र में व महाराष्ट्र के 2,34,706 सेक्टर में सिंचाई की जानी है। इसमें भू-जल भंडारण का विस्तार किया जाएगा, जिससे प्रदेश के बुरहानपुर एवं खंडवा जिलों की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा तहसीलें के लोगों को लाभ मिलेगा।

इस तरह बनेंगी विश्व की 4 सबसे बड़ी इकाइयां: - खरिया गुटीघाट बांध स्थल पर लो डायवर्सन वियर- यह वियर दोनों राज्यों की सीमा पर मप्र की खंडवा जिले की खालवा तहसील एवं महाराष्ट्र की अमरावती तहसील में प्रस्तावित है। इसकी जल भराव क्षमता 8.31 टीएमसी होगी।

दाई तट नहर प्रथम चरण- प्रस्तावित खरिया गुटीघाट वियर के दाएं तट से 221 किलोमीटर लंबी नहर प्रस्तावित है, जो मप्र में 110 किलोमीटर बनेगी। इस नहर से मप्र के 55 हजार 89 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।

बाई तट नहर प्रथम चरण- प्रस्तावित खरिया गुटीघाट वियर के बाएं तट से 135.64 किलोमीटर लंबी नहर बनाई जाएगी, जो जो मप्र में 100.42 किलोमीटर बनेगी। इस से 44 हजार 993 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।

बाई तट नहर द्वितीय चरण- यह नहर बाई तट नहर प्रथम चरण के आरडी 90.89 किमी से 14 किलोमीटर लंबी टनल के माध्यम से प्रवाहित होगी। इसकी लंबाई 123.97 किलोमीटर होगी। केवल महाराष्ट्र के 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।

छिंदवाड़ा कन्हान उप कछार बहुउद्देशीय परियोजना- इसके लिए 2019 में 5470.95 करोड़ रुपये दिए थे। इसके तहत संगम एक, संगम दो, रामघाट एवं पांढुर्णा बांध का निर्माण होगा। 1 लाख 90 हजार 500 हेक्टेयर में सिंचाई होगी, जुन्नारदेव, उमरेठ, छिंदवाड़ा, मोहखेड, पांढुर्णा, सोंसर एवं बिछुआ को पानी मिलेगा। औद्योगिक क्षेत्र के लिए 20 मिलियन घन मीटर जल आरक्षित किया जाएगा। इसके अलावा 30 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन होगा।

संपादकीय

उपयोगी योजना को बचाने की जरूरत

एक वक्त देश में बहुचर्चित फिर बहुविवादित रही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर फिर कुछ नई बातें सामने आ रही हैं। हालांकि यह तो सिध्द हो चुका है कि यह योजना बहुत उपयोगी है और रोजगार सृजन के मौके से लेकर बाजार की तरलता बढाने में भी सहायक ही हुई है। इसीलिये इस पर सियासी विवाद थम चुके हैं मगर अब खबरें हैं कि इस योजना से जुड़े श्रमिक लगातार बेरोजगार हो रहे हैं। यह सिलसिला चार वर्षों से तेज होने लगा है। इस दौरान कई आरोप भी लगे और सरकार ने सफाई भी दी है। मगर अब केंद्र ने अंतत- स्वीकार कर लिया है कि वर्ष 2022 से 2024 के बीच एक करोड़ पचपन लाख से अधिक मजदूरों के नाम हटा दिए गए हैं। खास बात यह है कि करोड़ों नागरिकों को हर महीने प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज तो दिया जा रहा है, लेकिन रोजगार के मामले में जरा कमी ही है। कुल मिलाकर यह निराशाजनक पहलू है कि जो लाखों श्रमिक काम कर रहे थे, अब वे खाली बैठ गए हैं। मनरेगा के माध्यम से प्रतिवर्ष ग्रामीण इलाकों में रोजगार का सृजन किये जाने का उदेश्य था । इस योजना में सरकार हर वर्ष बड़ा निवेश करती है। वित्तवर्ष 2024-25 में ही छियासी हजार करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई। यह समझ से परे है कि इतना बड़ा बजट रखने के बावजूद इस योजना से जुड़े श्रमिक क्यों हटाए जा रहे हैं। जबकि संवैधानिक प्रतिबद्धता जताई गई है कि मनरेगा के जरिए ग्रामीण भारत के नागरिकों को देश के विकास से जोड़ा जाएगा। शहरों की तरह गांवों में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मनरेगा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को साल में सौ दिन रोजगार देना था। मगर केंद्र की यह महत्त्वाकांक्षी योजना धीरे-धीरे भ्रष्टाचार की चपेट में आती नजर आने लगी है। इसमें स्थानीय स्तर पर धांधली होने लगी, फर्जी कार्ड बनने लगे। यह दुखद ही है कि ग्रामीण बेरोजगारों के लिए धरातल पर उतारी गई योजना पंचायतों, ग्राम प्रधानों और रोजगार सेवकों की मिलीभगत के कारण बर्बाद होती जा रही है। ' जाब कार्ड' बनने पर भी श्रमिकों को पता नहीं होता कि उनके खाते में पैसा आया भी कि नहीं। योजना का संचालन कर रहे लोगों के फर्जीवाड़े का ही नतीजा है कि वित्तवर्ष 2023-24 में 85 लाख कार्ड हटा दिए गए थे। यह कोई नई बात नहीं, इससे पहले भी कई राज्यों से मनरेगा सूची से नाम हटाए जाते रहे हैं। बजट राशि भी घटाई जाती रही है। मगर यह कोई उचित रास्ता नहीं कहा जा सकता। सरकार को इसे दुरुस्त करने का तरीका सोचना चाहिए, न कि इसमें कटौती करने का। अगर यही क्रम रहा तो इस योजना का औचित्य खत्म होने लगेगा। यह योजना करीब सोलह साल पहले लाई गई थी और इसने बेहद तेजी से अपनी उपयोगिता सिध्द की थी। सत्ता परिवर्तन के बाद इसके स्वरूप में कटौती या बंद की आशंका भी चल पडी थीं लेकिन सरकार ने माना कि यह उपयोगी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र में यह योजना बहुत कारगर रही है और पलायन रोकने तथा गरीबों को रोटी मुहैया कराने में यह बहुत मददगार है। इसलिये स्थानीय स्तर पर इसके फर्जीवाडे रोकने केंद्र व राज्य सरकार को समुचित प्रयास करने चाहिए।

प्लास्टिक के खतरों से निपटने का कारगर विकल्प 'चावल'

■ डॉ. रेनू यादव

प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिक चावल के अवयवों-आधारित बायोप्लास्टिक का विकल्प पेश कर रहे हैं। यह टिकाऊ और पर्यावरण-मित्र समाधान न केवल कृषि कचरे का पुनर्चक्रण करता है, बल्कि पारंपरिक प्लास्टिक का बेहतर विकल्प साबित हो सकता है।

प्लास्टिक कचरा आज पर्यावरण की एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो न केवल धरती, महासागरों और नदियों को प्रभावित कर रहा है, बल्कि हमारे भोजन और पानी में भी मिल रहा है। पारंपरिक प्लास्टिक का निर्माण पेट्रोलियम उत्पादों से होता है, जो प्रदूषण बढ़ाते हैं और सैकड़ों सालों तक नष्ट नहीं होते। इस समस्या का समाधान तलाशने के लिए वैज्ञानिक चावल-आधारित बायोप्लास्टिक की ओर देख रहे हैं, जो प्लास्टिक का टिकाऊ और पर्यावरण-मित्र विकल्प हो सकता है।चावल दुनियाभर में सबसे अधिक उगाया और खाया जाने वाला अनाज है। इसके प्रसंस्करण के दौरान बड़ी मात्रा में कृषि अवशेष, जैसे धान की भूसी और पराली, निकलते हैं। आमतौर पर इनका कोई विशेष उपयोग नहीं होता और कई बार किसान इन्हें जलाने के लिए मजबूर हो जाते हैं, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है। दिसम्बर-जनवरी के महीनों में दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। वैज्ञानिकों ने इस कृषि कचरे का उपयोग बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक बनाने में करना सीख लिया है, जिससे न केवल कृषि कचरे का पुनर्चक्रण होता है, जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि इससे किसानों की आय भी बढ़ सकती है और उद्योगों के लिए एक नया लाभकारी अवसर उत्पन्न हो सकता है।

पारंपरिक प्लास्टिक कचरे की समस्या यह है कि यह पर्यावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता और धीरे-धीरे छोटे कणों में टूटकर माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है। यही माइक्रोप्लास्टिक हमारे पानी, भोजन और यहां तक कि हवा में भी मिल चुके हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। शोध बताते हैं कि हर साल लाखों टन प्लास्टिक महासागरों में पहुंच जाता है, जिससे समुद्री जीव-जंतुओं को भारी नुकसान होता है। इसके अलावा, प्लास्टिक बनाने की प्रक्रिया में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो जाती है। पारंपरिक प्लास्टिक की रिसाइक्लिंग भी पूरी तरह से प्रभावी नहीं है, क्योंकि अधिकांश प्लास्टिक या तो लैंडफिल में चला जाता है या जलाए जाने पर हानिकारक गैसें उत्पन्न करता है।

बायोप्लास्टिक प्राकृतिक रूप से विघटित हो सकते हैं और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते। इन्हें जैविक स्रोतों से बनाया जाता है, जैसे मक्का, गन्ना और अब चावल। चावल से बने बायोप्लास्टिक में मुख्य रूप से स्टार्च और सेल्यूलोज का इस्तेमाल होता है। चावल के स्टार्च को कुछ प्राकृतिक पदार्थों, जैसे ग्लिसरॉल, के साथ मिलाकर एक लचीला और टिकाऊ प्लास्टिक तैयार किया जाता है।

इसके अलावा, चावल की भूसी से सेल्यूलोज निकाला जाता है, जिसे आगे की प्रक्रिया में तैयार करके मजबूत बायोप्लास्टिक बनाया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने चावल के अवशेषों से पॉलीहाइड्रॉक्सीएल्केनोएट्स (पीएचए) नामक एक जैविक पॉलिमर बनाने की तकनीक विकसित की है, जो पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल है। यह पारंपरिक प्लास्टिक की तरह मजबूत होता है लेकिन कुछ महीनों में ही प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाता है।

चावल-आधारित बायोप्लास्टिक का उपयोग कई उद्योगों में किया जा सकता है, जिससे यह पारंपरिक प्लास्टिक का व्यावहारिक विकल्प बन सकता है। खाद्य पैकेजिंग में, बायोप्लास्टिक से बने कंटेनर और रैपिंग मैटेरियल खाद्य उत्पादों की ताजगी बनाए रखते हैं और प्लास्टिक कचरे को कम करते हैं। कृषि क्षेत्र में, बायोडिग्रेडेबल मल्चिंग फिल्म मिट्टी की नमी बनाए रखने और खरपतवार नियंत्रण में सहायक होती है। चिकित्सा उपकरणों में, सर्जिकल सुई, खुद से पिघलने वाले टांके और दवा वितरण प्रणालियों में इसका उपयोग बढ़ रहा है। उपभोक्ता उत्पादों में, बायोडिग्रेडेबल कटलरी, डिस्पोजेबल कप और खिलौनों के निर्माण में भी बायोप्लास्टिक का उपयोग बढ़ रहा है। इसी तरह, टेक्सटाइल और फैशन उद्योग में, बायोपॉलिमर से बने जैविक कपड़े पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। थ्रीडी प्रिंटिंग में, बायोप्लास्टिक एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में एक टिकाऊ विकल्प बन रहा है।

हालांकि, चावल-आधारित बायोप्लास्टिक के कई फायदे हैं, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर अपनाने में कुछ बाधाएं भी हैं। फिलहाल इसकी उत्पादन लागत पारंपरिक प्लास्टिक की तुलना में महंगी है। कुछ बायोप्लास्टिक पारंपरिक प्लास्टिक की तरह मजबूत नहीं होते। इन्हें पूरी तरह विघटित होने के लिए सही परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। यदि बायोप्लास्टिक उत्पादन के लिए खाद्यान्न आधारित कच्चे माल का उपयोग बढ़ता है, तो इससे खाद्य सुरक्षा पर भी असर पड़ सकता है। इसके बावजूद, बायोप्लास्टिक की प्रगति में अपार संभावनाएं हैं, जिसके चलते इसका वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है। यूरोपीय देशों ने इस तकनीक को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। भारत में भी सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे बायोप्लास्टिक के लिए एक बड़ा अवसर पैदा हो सकता है। अगर चावल-आधारित बायोप्लास्टिक के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए और अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाए, तो यह प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने का एक महत्वपूर्ण समाधान बन सकता है।

यदि, चावल-आधारित बायोप्लास्टिक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाता है, तो यह पारंपरिक प्लास्टिक का एक बेहतर विकल्प बन सकता है। यदि इस तकनीक को प्रोत्साहित किया जाए और इसके विकास में निवेश बढ़ाया जाए, तो निश्चित ही यह हरित और स्वच्छ भविष्य के हमारे सपने को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।

(साभार : लेखिका पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में सीनियर डेमोंस्ट्रेटर हैं।)

आज का इतिहास

■ 1238- मंगोलों ने व्लादिमीर नामक रूसी शहर को आग के हवाले किया।
■ 1785- 1774 से 1785 तक गर्वनर जनरल रहे वारेन हेस्टिंग्स ने भारत छोड़ा।
■ 1872- अंडमान जेल (सेल्यूलर जेल या %कालापानी%) में शेर अली ने गवर्नर पर हमला करके शहादत प्राप्त की।
■ 1905- हैती और उसके आसपास के द्वीप समूहों पर आये जबरदस्त चक्रवाती तूफान से दस हजार लोगों की मौत।
1909- यूरोपीय देश फ्रांस और जर्मनी के बीच मोरक्को संधि पर हस्ताक्षर।
■ 1943- स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जर्मनी के केल से एक नौका के जरिये जापान के लिये रवाना हुये।
■ 1971- दक्षिणी वियतनामी सेना ने लाओस पर हमला किया।
■ 1979- अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
■ 1986- दिल्ली हवाई अड्डे पर पहली बार प्रीपेड टैक्सी सेवा शुरू की गई।
■ 1994- क्रिकेटर कपिल देव ने टेस्ट मैचों में 432 विकेट लेकर रिचर्ड हैडली के विश्व रिकार्ड को तोड़ा।
■ 1999- अमेरिकी अंतरिक्ष यान स्टारडस्ट केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से रवाना।
■ 2002- भारत व रूस के बीच चार रक्षा समझौते, विमानवाहक पोत गोर्शकोव का सौदा अटका।
■ -अमेरिका के साल्ट लेक सिटी में 19वां शीतकालीन ओलंपिक खेल शुरू।
■ 2005- इजराइल और फ़िलिस्तीन के बीच शर्म अल शेख़ (मिस्र) शिखर सम्मेलन में हिंसा समाप्त करने की घोषणा।
■ 2006- सिओल में भारत और दक्षिण कोरिया के बीच तीन समझौते सम्पन्न।
■ 2007- भूटान नरेश की प्रथम भारतीय यात्रा।
■ 2008- बैंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस के वरिष्ठ वैज्ञानिक शांतनु भट्टाचार्य को जी.डी. बिड़ाला पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
■ 2009- हजारों पूर्व सैनिकों ने सरकार की बेरुखी से क्षुब्ध होकर अपने पदक राष्ट्रपति को लौटाए।
■ 2010- श्रीनगर के पास खिलनमर्ग क्षेत्र में हिमस्खलन में सेना के हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल के 350 जवान बर्फ़ के नीचे दब गए। इनमें से 70 सैनिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया जबकि 11 सैनिकों के शव निकाले गए।
■ 2014- सऊदी अरब के मदीना शहर में एक होटल में आग के कारण 15 लोगों की मौत, जबकि 130 लोग घायल हुए।
■ 1897- डॉ. ज़ाकिर हुसैन- विद्वान, तृतीय राष्ट्रपति का जन्म।
■ 1925- शोभा गुर्टू- प्रसिद्ध भारतीय ठुमरी गायिका का जन्म।
■ 1928- बाला देसाई- गोमांतक दल के सदस्य का जन्म।
■ 1941- जगजीत सिंह-ग़ज़लों की दुनिया के बादशाह का जन्म।

चीन- एक वैश्विक ताकत, मगर इसके इतिहास में झांकना भी जरूरी

■ एन के त्रिपाठी

विश्व मंच पर चीन एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुका है। इस विशाल देश को समझने के लिए इसके अतीत में झाँकना आवश्यक है। मेरी चीन के इतिहास की जानकारी केवल वर्तमान कुछ शताब्दियों तक सीमित थी। मैंने अभी-अभी जॉन के की एक बहुत ही विस्तृत और उल्लेखनीय पुस्तक ÷चाइना ए हिस्ट्री÷ पढ़ी, जो तीन हजार वर्षों के इतिहास को उजागर करती है। चीन सदैव एक एकीकृत देश नहीं था और कई बार विदेशियों द्वारा शासित किया गया था। भौगोलिक रूप से इसका मूल क्षेत्र प्रारंभ में पीली (हुआंग हे) नदी के निचले भाग और पीले सागर के बीच का एक छोटा भूभाग था। धीरे-धीरे यह क्षेत्र वियतनाम की सीमा तक दक्षिण की ओर फैल गया। शिनजियांग, तिब्बत, गांसु, किंघई और मंचूरिया के क्रमिक अधिग्रहण ने वर्तमान विशाल चीन का निर्माण किया। चीन का इतिहास प्राचीन काल से परिश्रम से लिखा गया है तथा व्यवस्थित रूप में उपलब्ध है। भारतीय इतिहास के विपरीत, इसकी प्राचीन घटनाओं की तिथियां विवाद रहित हैं। इसकी प्रारंभिक कांस्य युग की चमक इसकी समृद्ध प्राचीन सभ्यता को दर्शाती है। 12वीं शताब्दी में ही यहां पुरातत्व का उपयोग किया गया था।

चीन में अनेक राजवंश हुए हैं। 221 ईसा पूर्व से पहले, छोटे-छोटे राजा थे, लेकिन इस के बाद, कई सम्राट हुए जिन्होंने अपने समय के पूरे चीन पर नियंत्रण किया। सबसे उल्लेखनीय पांच साम्राज्य वंश हैं जो सबसे लंबे समय तक प्रत्येक 3 से 4 शताब्दियों के तक चले। वे हैं हान (202 ईसा पूर्व - 220 ईस्वी), तांग (618-907), सोंग (960-1279), मिंग (1368-1644) और किंग या मांचू (1644-1912)। इन राजवंशों के बीच के काल में चीन दयनीय रूप से विभाजित और स्थानीय राजाओं द्वारा शासित था। विडंबना यह है कि सबसे बड़ा साम्राज्य, जो यद्यपि अल्पकालिक था, वह चीनी नहीं था अपितु उसे 13वीं शताब्दी में मंगोलियन कुबलाई खान (चंगेज खान के पोते) द्वारा स्थापित किया गया था। 5 बड़े राजवंशों से पूर्व तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में एक सम्राट था, जिसे गर्व से %पहला सम्राट% कहा जाता है। वह किन (चिन) झेंग शी हुआंगदी था। उसने सर्वप्रथम पूरे चीन का एकीकरण किया तथा उसी के नाम पर चीन का नाम पड़ा।

चीनी इतिहास कई सभ्यताओं की तुलना में बहुत हिंसक रहा है। उत्तराधिकार के युद्ध बहुधा होते रहते थे और यहां तक कि कुछ रानियों ने दूसरी रानियों को यातना दे कर मरवा दिया। किसी अधिकारी या सेनापति को, जो कृपा से गिर जाता था, उसे उसके हजारों रिश्तेदारों और समर्थकों के सहित यातना दे कर अंग-अंग काट दिया जाता था। अधिकारियों पर बार-बार अत्याचार के बावजूद, प्रशासनिक सेवा की परीक्षाएं किसी तरह से योग्यता को बनाए रखती थीं। चीनी लोग वृहद आकार के कार्य करते थे। चीन की महान दीवार इसका उदाहरण है। यह अलग-अलग अवधियों में एक बिना जुड़ा हुआ निर्माण था।मिंग द्वारा बनाई गई 500 किमी की दीवार इनमें नवीनतम है और उसका रखरखाव अच्छा किया गया है। संयोगवश चीन की दीवार ने कभी कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की। इससे अधिक उपयोगी उद्यम महान नहर थी, जो यांग्ज़ी और पीली नदियों को जोड़ने वाली एक श्रृंखला थी। इसका उपयोग दक्षिण से उत्तर में चावल परिवहन के लिए व्यापक रूप से किया जाता था। इसका निर्माण 7वीं शताब्दी में सुई सम्राट द्वारा किया गया था और बाद में सभी ने इसका रखरखाव किया। कुछ हिस्सों में, यह आज भी उपयोग में है। इसके लिए लाखों लोगों की मेहनत और जान गई। मिंग द्वारा अपने समय की सबसे बड़ी नौसेना बनाई गई थी और उनका जहाज़ी बेड़ा अफ्रीका के पूर्वी तट और पूरे एशिया तक शांतिपूर्वक गया था। इसके जहाज यूरोपीय जहाज़ों से बारह गुना बड़े थे। चीन ने ईसा से पहले दिशासूचक कम्पास का आविष्कार किया और बाद में बारूद और कागज़ के आविष्कार ने मानव सभ्यता के रूप को बदल दिया। धर्म लचीला था और सम्राटों ने अपनी सुविधानुसार कन्फ्यूशीवाद, बौद्ध धर्म और ताओवाद का पालन किया।

19वीं शताब्दी में किंग का चीन यूरोपीय शक्तियों द्वारा बुरी तरह से शोषित और लूटा गया। यह शोषण दो अफीम युद्धों, गनबोट कूटनीति और बंदरगाह शहरों के द्वारा संभव हुआ। 20वीं शताब्दी, जो भारत में विभाजन को छोड़कर शांतिपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन और लोकतंत्र की थी, वह चीन में बहुत हिंसक रही। 1911 में किंग राजवंश के पतन के बाद, विभिन्न क्रांतियों - रिपब्लिकन, राष्ट्रवादी, कम्युनिस्ट और सांस्कृतिक - के कारण केवल 60 वर्षों की अशांति में लाखों लोग मारे गए। अंततः एक स्थिर चीन आर्थिक और सैन्य विश्व शक्ति के रूप में उदित हुआ।

(साभार : लेखक सेवानिवृत आईपीएस हैं, यह उनके विचार हैं।)

संसार में दूसरों के मत से अपनी धारणा बनाना आसान है। स्वयं अपनी धारणा लिए हुए एकाकी रहना भी आसान है, परन्तु महान पुरुष वह है जो भीड़ में रह कर भी मधुर मुस्कान लिए हुए अपनी स्वतन्त्र्य एकाकी धारणा बनाये रखता है।
- एमर्सन

निशाना

लगे खेलने खेल !

-कृष्णेन्द्र राय

है अभी शुरुआत ये ।
लगे खेलने खेल ।।
रहा यही यदि हाल ।
होगा कैसे मेल ?
सारे चतुर खिलाड़ी ।
रहे हैं पासा फेंक ।।
है गद्दी का मामला ।
मतभेद भी अनेक ।।
होंगे कैसे एकजुट ?
है वही सवाल ।।
हो रही ना शांति ।
बस केवल बवाल ।।
एकता की बात थी ।
होते दरकिनार ।।
झलक रहा है बहुत कुछ ।
करते जो व्यवहार ।।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन पंडित कमल किशोर नागर ने कहा

चारपाई पकड़ने से पहले मनुष्य को प्रभु -भक्ति कर लेना चाहिए

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

चारपाई पकड़ने से पहले मनुष्य को भजन और भक्ति कर लेना चाहिए उनसे पूछिए जो आज चारपाई पर है समय निकलने के बाद भजन भी नहीं हो पता यह बात मालवा माटी के मां सरस्वती के वरद पुत्र कहे जाने वाले संत कमल किशोर नागर ने दूधिया बढ़ के पास चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कही।

सिर्फ ब्रह्म ही सत्य है बाकी सारा जगत मिथ्या है

मालवा माटी के संत श्री नागर ने अपने मुखारविंद से दूर दूर से हजारों की संख्या में आए एवं नगर की धर्म प्रेमी जनता को कथा का रसपान करा रहे हैं। कथा को विस्तार देते हुए संत श्री ने बताया कि समय रहते जो भजन पूजन नहीं करते हैं ठीक उसी प्रकार से जब भगवान श्री राम बनवास को जा रहे थे तब कई लोग उनके दर्शन से वंचित रह गए वह इसलिए नहीं कर पाए कि उनके दर्शन लौटते समय कर लेंगे लेकिन लौटते समय भगवान पुष्पक विमान से सीधे अयोध्या निकल गए इसलिए उन्होंने बताया कि समय रहते मनुष्य को भगवान से मिलन हो जाना चाहिए और मनुष्य को भजन भी अच्छे समय में किया भजन भी अच्छा होता है बुढ़ापे में भजन तो होता है लेकिन भजन भी बूढ़ा होता है भजन करो जो विष्णु भक्त ध्रुव और प्रह्लाद ने किया वह उम्र है आज बच्चों को भी भजन और पूजन में लगाना चाहिए भजन की कोई उम्र नहीं होती उन्होंने कहा कि सिर्फ और सिर्फ ब्रह्म सत्य है जगत मिथ्या है सत्य एक है बाकी सब मिथ्या है

बचपन में कहा था धरा धाम सत्य है,और यौवन में कहा की अर्थ काम सत्य है और जब पंछी पिंजरे से चला तो बोले राम नाम सत्य है। संत पंडित श्री कमल किशोर नागर की अमृत कथा वर्षा में हजारों श्रोताओं को नाशवान संसार सागर से भवसागर पार करने की भी कई कथाओं से अवगत करा रहे हैं।

राम जी बाबा मेले की आज से होगा दुकानों का आवंटन

नर्मदापुरम। संत शिरोमणि श्री रामजी बाबा मेले की तैयारी जोरशोर से चल रही है। प्रतिदिन रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दुकान आवंटन की प्रक्रिया शनिवार को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष की जाएगी। शुक्रवार को मेला स्थल पर नपाध्यक्ष नीतू यादव, राजस्व सभापति निर्मला राय, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, मेला प्रभारी उपयंत्री दीक्षा तिवारी, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, भाजपा नेता हंस राय, पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित गौर, पार्षदगण एवं नगरपालिका अधिकारी कर्मचारी मेला स्थल पर मौजूद रहे। मेला प्रभारी दीक्षा तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू यादव, राजस्व सभापति निर्मला राय एवं सीएमओ हेमेश्वरी पटले के मार्गदर्शन में मेले की तैयारी तेजगति से चल रही है। दुकानों का ले आउट डाला जा चुका है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष शनिवार से दुकानों का आवंटन शुरू कर दिया जाएगा। नपाध्यक्ष नीतू यादव ने कहा कि नर्मदापुरम के महान संत शिरोमणी श्रीरामजी बाबा मेले की तैयारी शुरू हो चुकी है। पहले आएं पहले पाएं के आधार पर दुकानें व्यापारियों को दी जाएंगी। मेला स्थल में स्वच्छता पर विशेष फोकस किया जाएगा। उन्होंने मेले में नगर और बाहर के सभी व्यापारी गणों को सादर आमंत्रित किया गया है।

पूरी हो चुकी नल जल योजनाओं को जनपद पंचायत के सुपुर्द करें पीएचई विभाग : कलेक्टर

- कार्य में शिथिलता बरत रहे ठेकेदारों को ब्लेक लिस्ट किया जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल योजना के अनुमानित तथा अनुबंध अनुसार सम्पन्न हो चुकी योजनाओं का हैंडोवर प्राप्त करें सभी जनपद पंचायतें। परस्पर समन्वय स्थापित कर समस्याओं का समाधान निकाले पीएचई, जनपद एवं विद्युत विभाग। सभी जनपद सीईओ, एसडीओ पीएचई साप्ताहिक आधार पर बैठको का आयोजन करें साथ ही साइड विजिट की योजना भी बनाएं। ट्रायल खत्म कर चुकी योजनाओं को शीघ्र ही हैंडोवर किया जाए। उक्त निर्देश शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक के दौरान कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को दिए। बैठक के दौरान जिले के ब्लॉक नर्मदापुरम, केसला, सिवनी मालवा, सोहागपुर, माखननगर बनखेड़ी एवं पिपरिया के लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग के उपयंत्रियो द्वारा कलेक्टर को जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में संचालित चालू हो चुकी योजनाओं के अतिरिक्त जो योजनाएं अभी टेस्टिंग में है, एफएचटीसी एवं हैंडोवर करने योग्य योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं

कलेक्टर ने ब्लॉक बार योजना से संबंधित ठेकेदारों द्वारा संचालित कार्यों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि ऐसे ठेकेदार जिनके द्वारा विलंब से कार्य किया जा रहा है ऐसे सभी ठेकेदार के विरुद्ध पेनल्टी लगाई जाए, साथ ही जरूरत पड़ने पर टर्मिनेट अथवा ब्लैक लिस्ट भी करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिला लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के समस्त सब इंजीनियर की जवाबदारी है कि योजना अंतर्गत कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें, किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं की जाएगी।

छोटी-छोटी समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द हो

कलेक्टर ने सभी सब इंजीनियरों को निर्देशित किया है कि अपने क्षेत्र अंतर्गत आने वाले प्रोजेक्ट शीघ्र से शीघ्र हैंडोवर करें। जिन स्थानों पर विद्युत कनेक्शन के अभाव में ट्रायल संपन्न नहीं हो पा रहा है उन स्थानों पर जनपद पंचायत से कनेक्शन प्राप्त कर ट्रायल पूरा करें। उन्होंने समस्त जनपद सीईओ को निर्देश दिए की ट्रायल अथवा हैंडोवर उपरांत आने वाली समस्याओं के संबंध में त्वरित रूप से पीएचई विभाग को सूचित करें। कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ, एसडीओ पीएचई, विद्युत विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के सफल हस्तांतरण के लिए सरपंच एवं सचिव के साथ बैठक आयोजित कर योजना में आ रही छोटी-छोटी समस्याओं के निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरान सरपंच सचिव आदि को योजनाओं के मूल मापदंडों से अवगत भी कराऐं तथा उन्हें योजना के संबध में बताएं जिससे हस्तांतरण प्रक्रिया के वक्त किसी भी प्रकार की भ्रांति ना उत्पन्न हो।

गौ सेवा कर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने शुरू किए सेवा कार्य

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

देश में शांति एवं सद्भावना को बढ़ाने में योगदान देने के लिए हर साल मुस्लिम राष्ट्रीय मंच फरवरी के महीने में सद्भावना सप्ताह मनाता है 18 फरवरी को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अखिल भारतीय मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार के जन्मदिन के अवसर पर यह कार्यक्रम शुरू होते हैं इस बार भी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता पहले से ही योजना करके प्राणियों में सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए मानवता में निखार लाने के लिए अभी से कार्यक्रम शुरू कर रहा है । मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने बताया त्योंदा रोड स्थित निःस्वार्थ गौ शाला पहुंचकर मंच कार्यकर्ताऔ एवं पदाधिकारीगण ने गौ सेवा कर राष्ट्र सेवा गौ सेवा मानव सेवा कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया। कादरी ने देश भर के मंच कार्यकर्ताऔ और पदाधिकारीगण से इन्द्रेश कुमार वरिष्ठ प्रचारक राष्ट्रीय कार्य कारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जन्मदिवस को सदभावना दिवस पखवाड़ा के रूप मे पूरे राष्ट्र में कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर गौ सेवक लालू महाराज ने गौ सेवा करने का महत्व समझाते हुऐ कहा हम सभी घर घर गौ पालन करें गौ वंश को भटकने न छोड़ें । गौमय उत्पादन का अधिक से अधिक उपयोग करे। गौ दूध लेकर गौ माता को सडक पर यहां वहां विचरण करने छोडना अच्छी बात नही है।

मुस्लिम विकास परिषद की कार्यकारिणी गठित

नर्मदापुरम। म. प्र. मुस्लिम विकास परिषद् के प्रांतीय उपाध्यक्ष शरीफ राईन जिला अध्यक्ष मो. अथर खान की सहमति से तवानगर अध्यक्ष बसारत खान ने कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें सरंक्षक हामिद अली, डॉ. ए. ए. खान, उपाध्यक्ष मिर्जा बसीर बेग, शेख अब्दुल रफीक, फहीम अख्तर पठान, एडव्योकेट एम. सगीर सिद्धीकी, संयोजक अब्दुल रसीद (मुन्ना टेलर), नासीर अली अंसारी, महासचिव वरकत अली, रसीद खाँ, अनवर खाँ, सचिव शेख रसीद, सलीम खाँ, सह-सचिव मजहर खान, जावेद अंसारी, अब्दुल रसीद खान शेरू, कार्यालयीन सचिव तौसीब अली, अमजद खान, संगठन सचिव मेहमूद अली, इसरत खान (टोनी भाई), अब्दुल शमी (अन्ना भाई), अब्दुल हफीज, कोषाध्यक्ष असलम बेग, मो. शहजाद कार्यकारिणी सदस्य हफीज मो. ताहीर, हफीज शहरूख खान, हारून खान, वफात खान, अस्फाक खान, शेख शहीद खान, मकसूद अली, रसीद खान, असीक खान, वसीर सिद्धीकी, अब्दुल अजीज, रहमत अली, बसीर खान, हुसैन खान को शामिल किया गया.

तवा नगर अध्यक्ष बशारत खान ने बताया उक्त कार्य करने के पदाधिकारी एवं सदस्य गण समाज में शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक उत्थान कार्यों के लिये मुख्य भूमिका निभायेंगें।

वार्षिक कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

समेरिटन्स ग्रुप ऑफ स्कूल्स की सोहागपुर शाखा में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शनकरण वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ विभिन्न खेलों में भाग लिया। विशेष रूप से अभिभावकों के लिए भी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समिति सदस्य राघवेंद्र रघुवंशी थे जबकि विशेष अतिथि के रूप में शैलम दीदी, श्रीमती तारा जायसवाल और समेरिटन्स ग्रुप ऑफ स्कूल्स के निदेशक डॉ. अशुतोष कुमार शर्मा रहे। इस अवसर पर डा शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को अक्षर ज्ञान कराना मात्र नहीं है। हम बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देते हैं। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. पिंकी झा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में पिपरिया प्राचार्य कल्पना शर्मा, विक्रांत खम्परिया भी उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य गेहूं बिक्री के लिए 12596 पंजीयन

सीहोर। जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए अभी तक 12596, किसानों ने पंजीयन कराया है। किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। वर्ष 2025-26 के लिए गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रूपये अधिक है। किसानों गेहूँ की विक्री के लिए समय-सीमा में पंजीयन जरूर करायें। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जित करने के लिए किसानों की सुविधा के लिए पंजीयन प्रक्रिया 20 जनवरी से 31 मार्च तक के लिए निर्धारित की गई है।कलेक्टर बालागुरू के. ने जानकारी दी कि किसान गेहूँ उपार्जित के लिए पंजीयन 20 जनवरी से 31 मार्च तक नि:शुल्क व्यवस्था में तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र, और एमपी किसान एप पर करा सकते है।

हाथ भट्टी की मदिरा एवं महुआ लहान जप्त कर नष्ट किया

नर्मदापुरम। अवैध शराब निर्माण, विक्रय संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध जिले में की जा रही कार्यवाही के तहत दिनांक 7/2/2024 को सिवनी मालवा के ग्राम गंजालढाना के नदी क्षेत्र अवाम कुचबंदिया मोहल्ला क्षेत्र में अवैध कच्ची महुआ शराब के निर्माण, परिवहन, संग्रहण और विक्रय के विरुद्ध कार्यवाही में आबकारी विभाग द्वारा 10 बल्क लीटर हाथभट्टी मदिरा एवं भारी मात्रा में 1200 किलोग्राम महुआ लहान जप्त करते हुए अनुपयोगी किया 4 प्रकरण आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कायम किए है। जप्त सामग्री की अनुमानित कीमत 1,13,000/- रुपए है । कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी एनपी सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक आबकारी वीसी त्रिपाठी, राजेश साहू, सुयश फौजदार, हेमन्त चौकसे, आरक्षक मनोज रघुवंशी, धर्मेंद्र वारगे, दुर्गेश पथारिया, विकास लोखंडे आदि आबकारी स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

मेट्रो एंकर दिल्ली से आरडीसी परेड में शामिल होकर लौटे छात्र आदर्श तिवारी का सम्मान किया

यह विद्यालय की ही नहीं बल्कि पूरे शिक्षा परिवार की उपलब्धि है : भावना दुबे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर के स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र आदर्श तिवारी के आरडीसी परेड दिल्ली में शामिल होकर लौटने पर स्कूल में सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आदर्श तिवारी ने न सिर्फ आरडीसी परेड में हिस्सा लिया साथ ही प्रतिष्ठित डीजी मेडिलियन भी प्राप्त किया। यह पुरस्कार मात्र चार कैडेट्स को दिया गया है, जिसमें से एक मेडिलियन आदर्श ने जीता है।

सार्जेंट आदर्श तिवारी ने आरडीसी परेड में प्रतिभागिता कर दिल्ली में नर्मदापुरम का परचम लहराया। सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक (शिक्षा) श्रीमती भावना दुबे, रक्षित निरीक्षक श्रीमती स्नेहा चंदेल, सूबेदार मेजर जीबी सिंह, डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ. आशीष चटर्जी, आईटी अधिकारी डी एन व्यास, डायरेक्टर श्रीमती जूही चटर्जी, प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने विद्यार्थी की विराट उपलब्धि पर उसका सम्मान किया। प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी के स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती भावना दुबे ने उनके माता-पिता को बधाई देते हुए सार्जेंट आदर्श तिवारी को शुभकामनाएं प्रेषित की उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ विद्यालय की उपलब्धि है बल्कि पूरे शिक्षा परिवार की उपलब्धि है। उन्होंने आगे विद्यार्थियों को कहा कि सफलता का रूप अलग-अलग होता है। सभी विद्यार्थी अपने अंदर की प्रतिभा को जगाएं और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें। रक्षित निरीक्षक श्रीमति स्नेहा चंदेल ने विद्यार्थी की उपलब्धि पर उसे शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पुलिस परिवार के बच्चों के लिए प्रेरणा है। स्कूल डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ. आशीष चटर्जी ने सार्जेंट आदर्श तिवारी को कहा कि यह न केवल तुम्हारी मेहनत का सम्मान है, बल्कि सभी की सम्मिलित मेहनत का परिणाम है। जिसके फलस्वरूप अब तुम दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन गए हो। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रतिभाओं को सम्मानित करने से उनमें एक नयी ऊर्जा का संचार होता है तथा आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।

सार्जेंट आदर्श तिवारी ने शिविर के दौरान प्राप्त मेडल, अपने अनुभव तथा प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री सहित विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ मुलाकात और बहुमूल्य मार्गदर्शन के बारे में अपने अनुभव बच्चों से साझा किए। सूबेदार मेजर जीबी सिंह ने बताया कि आरडीसी कैम्प एनसीसी कैडेट में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, एकजुटता, भाईचारे, सांप्रदायिक सद्भाव की भावना को पैदा करता है। व्यक्तित्व विकास के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बच्चों को इस महान उपलब्धि के बारे में बताते हुए कहा कि यह सबसे पहले स्कूल की उपलब्धि है क्योंकि स्कूलने इस कैडेट को तैयार किया है जो विभिन्न कठिन परीक्षणों से गुजरते हुए दिल्ली पहुंच पाया है। विद्यालय द्वारा सार्जेंट आदर्श तिवारी को स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया गया। आदर्श ने अपनी सफलता का श्रेय डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ. आशीष चटर्जी, प्रिंसिपल श्रीमती मोना चटर्जी, स्कूल एनसीसी अधिकारी शेख कमर को दिया। प्राचार्य व शाला परिवार ने सार्जेंट आदर्श तिवारी को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर आदर्श के माताकपिता, बहन व दादाजी भी उपस्थित रहे।

बंद कमरे में विधायक शर्मा ने विभाग प्रमुखों के साथ की विकास कार्यों की समीक्षा

क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों व पेय जल समस्या को लेकर अफसरों को चेताया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विधायक उमाकांत शर्मा ने शुक्रवार को सिरोंज लटेरी विकासखंड के अंतर्गत विभागों द्वारा क्षेत्र के विकास में प्रस्तावित एवं प्रगतिरत विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली।

स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में आयोजित बैठक में जिला एवं विकासखंडवार उपस्थित अधिकारियों से विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं परियोजना की प्रगति तथा आ रहे प्रशासनिक परेशानियों को वन टू वन अधिकारियों से सुनकर जमीनी हकीकत से भी अवगत कराया।

इस दौरान मौजूद सभी अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज डिजिटल युग का दौर है मध्यप्रदेश सरकार के मुख सचिव ने भी ई फाइलिंग के स्पष्ट निर्देश दिए हैं इसलिए समय पर समुचित कार्यवाही को संपादित कराने के लिए तथा अपने विभागों की जानकारी से जिम्मेदारी पूर्वक अपडेट रहने की आवश्यकता है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सरकार की मंशानुरूप हितग्राही मूलक योजनाओं का ठीक से क्रियान्वयन तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र समस्याविहीन होना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास के लिए पटवारी,सचिव रोजगार सहायक को आपस में समन्वय भाव से काम करने की आवश्यकता है। बैठक के दौरान उन्होंने प्रशासन से पूर्व में हुई

समीक्षा बैठकों की रिपोर्ट का प्रतिवेदन भी मांगा जो अधिकारी उपलब्ध नहीं करा सके। बैठक में उन्होंने छात्रों से परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम की तैयारी पर जानकारी मांगी परन्तु जिम्मेदारी अधिकारी लटेरी एसडीएम हर्षल चैधरी तथा सिरोंज तहसीलदार संजय चैरसिया के साथ आयोजित बैठक में विधायक शर्मा ने वन टू वन बार विभागीय अधिकारियों से प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा करते हुए लापरवाही पूर्ण कार्यों पर नाराजगी भी व्यक्त की। बैठक के दौरान विधायक शर्मा ने बिजली के क्षेत्र में समय पर योजनाबद्ध रूप नवीन विद्युत उप केंद्र तथा वोल्टेज संबंधी समस्या पर काम करने के लिए अधिकारियों की प्रशंसा भी की। उन्होंने लटेरी में बन रहे 50 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा उनारसी में बन रहे सिविल अस्पताल के काम को गुणवत्तापूर्वक एवं जनता के स्वास्थ्य की दृष्टि से शीघ्रता से कराए जाने की मंशा भी जताई।

बैठक में विधायक शर्मा ने नवीन तहसील भवन के लिए लटेरी रोड पर प्रस्तावित जमीन पर आपत्ति लेते हुए कहा कि वह स्थान शहर से दूर होने के साथ नागरिकों के लिए असुविधाजनक बताते हुए नवीन बन रहे एसडीएम कार्यालय से सटी सिंचाई विभाग की भूमि पर निर्माण किए जाने निर्देश अधिकारियों को प्रदान किए।

ग्राम भगवन्तपुर में तीन अतिरिक्त लेब कक्षों के निर्माण पर भी आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि लेब विद्यालय के पास ही बनाना छात्रों के लिए सुविधाजनक रहेगा। इनको दूरी पर बनाने से मुख्य मार्ग पर दुर्घटनभोने की आशंका बनी रहेगी। इस दौरान विभागों द्वारा भवन,सड़क पुल पुलियों के निर्माण की वर्तमान स्थितियों की जानकारी चाही तो अधिकारी स्पष्ट जानकारी देने से बचाते नजर आए जिस पर विधायक शर्मा ने संबंधित अधिकारी तथा भाजपा नेताओं को मौके पर जाकर परीक्षण करने की बात भी कही। उन्होंने सिरोंज में बनने वाले सीएम राईस विद्यालय के निर्माण में आ रही परेशानियों को भी शीघ्रता से सुलझाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने लटेरी की टेम परियोजना सहित ग्रामीण क्षेत्रों की बंद पड़ी नल जल परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए आगामी गर्मी के मौसम में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति के लिए भी चिंता जाहिर की। किसानों के हित में उन्होंने टेम तथा सेमलखेड़ी डेम के डूब क्षेत्र में आने वाले गांवों की आबादी वाले घर तथा कृषि भूमि के बदले बांटे जाने मुआवजा राशि को कम बताते हुए राजगढ़ परियोजना में वितरीत हुए मुआवजा पैकेज के समान दिलवाए जाने की बात अधिकारियों से कही अन्यथा कोर्ट से स्टे की कार्यवाही करने की बात कही। साथ ही सिरोंज लटेरी में प्रस्तावित सिंचाई योजना की भी समीक्षा की। राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों से चंदेरी से लटेरी होते हुए सिरोंज तक के मार्ग को खराब होने तथा लटेरी की भैया कॉलोनी सहित अनेक वार्डो की जल निकासी करने के लिए विस्तृत योजना बनाकर काम नहीं करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह योजना बनाकर तत्काल काम करे जिससे आने वाले बारिश के मौसम में लटेरी में पानी भरने की समस्या से निजात मिल सके।

करीब चार घंटे तक चली समीक्षा बैठक में उन्होंने वन विभाग,प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,जनपद पंचायत, सेतु विकास निगम लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,जनपद पंचायत ,नगरपालिका सहित दो दर्जन से अधिक विभागों की समीक्षा करते हुए आगामी समय में परिणाममूलक आम जनता के हितों में स्वीकृत योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण रूप से कराए जाने की आवश्यकता जताई। इस दौरान प्रमुख रूप से भाजपा संगठन के नगर एवं ग्रामीण मंडल अध्यक्षों सहित सभी विभागों के प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने परीक्षाओं के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया

विदिशा , दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शुक्रवार को नीमताल चौराह पर स्थित एकीकृत शासकीय हाई स्कूल माधवगंज क्रमांक एक में अचानक पहुंचकर शैक्षणिक व्यवस्थाओं के साथ-साथ नवमीं व ग्यारहवीं के परीक्षार्थियों की परीक्षा का जायजा लिया है।

शासकीय संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा नवमीं के विद्यार्थियों द्वारा संस्कृत विषय की परीक्षा दी जा रही थी। कक्ष में पहुंचकर कलेक्टर ने अवलोकन किया। कलेक्टर श्री सिंह ने दसवीं कक्षा के परीक्षार्थियों से संवाद कर उनके अध्यापन कार्यो के संबंध में पूछताछ करते हुए परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण टिप्स सांझा किए है। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्रों को बिना भय के हल करें। जिन प्रश्नो का उत्तर हमें सबसे अच्छी तरह से आता है उन्हें सबसे पहले हल करें।

परीक्षा के दौरान खान-पान व स्वास्थ्य पर ध्यान देने के संबंध में भी उन्होंने आवश्यक टिप्स दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने नर्सरी क्लास में तीन से पांच वर्ष की मौजूद बच्चो से संवाद किया। लक्ष्मी रैकवार के द्वारा फर्राटे से अल्फावेट (एबीसीडी) के साथ-साथ प्रश्नोत्तरी जबावो को सुनकर कलेक्टर ने सराहना करते हुए तालियां बजाकर बच्चों का हौंसला अफजाई किया।

मॉडल के रूप में प्रस्ताव तैयार किया जाएगा स्कूल निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के संज्ञान में स्कूल स्टाफ द्वारा स्कूल परिसर में अधोसंरचना और मरम्मत की आवश्यकता है की ओर ध्यान आकर्षित कराया। साथ ही बरसात में छत टपकने, पानी एकत्रित होने संबंधी जानकारी भी दी गई है। चूंकि शासकीय हाई स्कूल माधवगंज क्रमांक 01 नीमताल मुख्य मार्ग से लगा है की चलते असामाजिक तत्वों के जमाबड़े की शिकायतें की प्राप्त हुई है।

कलेक्टर श्री सिंह ने उक्त सभी बिंदुओं को संज्ञान में लेते हुए कहा है कि इन सभी व्यवस्थाओं के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। स्कूल प्रांगण को एक मॉडल के रूप में डवलप करने का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

कब्रिस्तान का सीमांकन व तार फेंसिंग हटाए जाने की मांग

मुस्लिम समाज ने कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा आवेदन पत्र

- भूमि पर नगर पालिका ने वक्फ बोर्ड के पदाधिकारियों की गैर मौजूदगी में तार फेंसिंग कर ली है

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

तहसील वक्फ कमेटी के अध्यक्ष वाजिद कुरैशी के नेतृत्व में मुस्लिम समाज जनों द्वारा तहसील कार्यालय पहुंचकर विदिशा कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार ललित सक्सेना को मांग पत्र सौंपकर अवगत कराया गया है कि लटेरी रोड पर स्थित कब्रिस्तान नदी कैथन के पास है जिसका वक्फ खसरा नंबर 1061 तथा रब्बा 0.304 हेक्टर। उक्त भूमि वक्फ बोर्ड की है तथा वक्त गजट में दर्ज है। उक्त भूमि पर नगर पालिका द्वारा बिना वक्फ बोर्ड के पदाधिकारियों की गैर मौजूदगी में तार फेंसिंग कर ली गई है उक्त वक्फ बोर्ड के कब्रिस्तान की भूमि पर नगर पालिका द्वारा कराई गई तार फेंसिंग की जांच कराई जाकर वक्फ कमेटी के पदाधिकारी को सौंपी जाए। गौरतलब हो कि दो तीन महा पूर्व मुस्लिम समाज की एक लड़की की मृत्यु होने पर जब समाज के लोग उसे दफनाने गए तो नगर पालिका

द्वारा दफनाने से रोका गया था तथा पुलिस भी बुलाई गई थी, समाज के कुछ बुद्धिजीवी लोगों द्वारा इस मामले में विवाद होने से बचा लिया था जबकि उस कब्रिस्तान में कई कच्ची एवं पक्की कबरें मौजूद हैं। तथा यह कब्रिस्तान वर्तमान में चालू है लेकिन कुछ माह पूर्व नगर पालिका द्वारा बिना सूचना के उक्त कब्रिस्तान में तार फेंसिंग कर दी गई है जिससे मुस्लिम समाज में रोष व्याप्त है। तथा किसी की मृत्यु होने पर दफनाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस अवसर पर ऑल इंडिया जमिआतुल कुरैश, के जिला अध्यक्ष इरफान कुरैशी उर्फ बाबू ठेकेदार, वक्फ कमेटी के सदस्य वाहिद गौरी, जामियातुल कुरैश के तहसील अध्यक्ष जहीर कुरैशी, आल मंसूरी समाज सोसायटी के जिला अध्यक्ष नवाब मंसूरी, जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर वसीम मोहम्मद,पूर्व जिला वक्फ कमेटी के अध्यक्ष जफर खान, एडवोकेट मुश्ताक गोरी, पत्रकार वसीम अख्तर, पत्रकार सलमान अमीन, पत्रकार इरफान मंसूरी, डाक्टर आजम खान, डॉक्टर अनस कुरैशी, वाजिद खान मैकेनिक, हारुन खान, फारुक खान, असगर खान, अमीन खान, सोहेल कुरेशी आदि लोग मौजूद रहे।

वीडियो के आधार पर बस में आग लगाने वालों पर आगजनी का मामला हुआ दर्ज

4 पहुंचे हवालात, बाकी की तलाश जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

दुर्घटना के बाद बस में आग लगाने वालों को आग लगाना महंगा पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। अभी पुलिस ने बस में आग लगाने के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया और बाकी की तलाश वीडियो के आधार पर कर रही है । जिन की संख्या में वृद्धि हो सकती है ऐसी बात पुलिस के द्वारा कही जा रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर आगजनी का पहले प्रकरण दर्ज अब वीडियो फुटेज के माध्यम से एक-एक व्यक्ति की पहचान पुलिस करने में लगी हुई है। इसके चलते कई लोगों की चिंताएं बड़ी हुई है अभी चार लोग हवालात में पहुंच चुकेहैं। जिन्होंने आग लगे और आग लगाने में भूमिका निभाई है। उनको भी पुलिस पकड़ने में लगी हुई है। गुरुचरण बस के ड्राइवर राजीव कुशवाहा की रिपोर्ट पर बस में आगजनी की घटना को अंजाम देने वालों पर अज्ञात लोगों पर 2 दिन पहले मामला दर्ज करवाया था । मामला तीन दिन पुराना है गुरुचरण बस के चालक राजीव कुशवाहा ने लापरवाही से बस को चलते हुए रोहिल पुरा चैराहे पामाखेड़ी मोड पर चार वर्षीय मासूम बच्चे को कुचल दिया था जिसके चलते उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई थी। दर्दनाक हादसे के बाद गुसाईं भीड़ ने बस की सवारियां को नीचे उतर कर पहले बस में तोड़फोड़ की फिर

डीजल टैंक फोड़कर उसके टैंक में आग लगा दी जिसके चलते बस पूरी तरह से जलकर राख हो गई थी घटना के दौरान बड़ी संख्या पुलिस कर्मी भी उपस्थित हुई थे। कई लोग वीडियो बना रहे थे पर आग लगाने वालों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया की आग लगाने के बाद उन पर प्रकाश दर्ज होगा और जेल भी जाना पड़ेगा। जिस समय बस में आग लगाई थी उसकी आग बुझाने के लिए फायर गाड़ी को आने में 1 घंटे का समय लग गया था। तब तक बस जल चुकी थी। बस में आग लगाने वालों को इस बात की चिंता नहीं थी कि उनकी यह लापरवाही और कानून हाथ में लेना है इन्हें महंगा पड़ जाएगा। अभी पुलिस ने चार को ही गिरफ्तार किया है पर इनकी संख्या ज्यादा होने की बात पुलिस कर रही है। कई वीडियो पुलिस ने लिए हैं, उनको बारीकी से देखना रही है पहचान करने के बाद ही इनको गिरफ्तार कर रही है जिस समय बच्चों को कुचला था उसे समय चालक परिचालक दोनों गायब हो गए थे। घटना वाले दिन देर रात्रि में पुलिस ने बच्चों को कुचलना वाले चालक को गिरफ्तार किया फिर इसकी रिपोर्ट पर बस में आग लगाने अज्ञात आरोपियों पर प्रकरण दर्ज किया।

प्रधान आरक्षक अमित मिश्रा ने बताया कि आगजनी की रिपोर्ट गुरुचरण बस के चालक राजीव कुशवाहा निवासी पथरिया की रिपोर्ट पर बस में आग लगाने पर अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज बाद किया था इसके बाद पुलिस वीडियो और सीसीटीवी कैमरों के आधार पर बस में आग लगाने वालों की पहचान कर रही है। अभी हमने 4 की पहचान कर ली जिसमें फैजान, नेतराम, जावेद और हीरालाल कुशवाहा है यह सभी सिरोंज के रहने वाले हैं। शेष लोगों की पहचान वीडियो के आधार कर रहे हैं जो भी बस मैं आग लगाने की घटना मैं लिफ्त है उसको गिरफ्तार करने में लगी हुई है। जिस समय घटना घटित हुई थी उस समय कई लोगों बस में आग लगाने के लिए उकसाया था और आग जैसी घटना करना इन लोगों को महंगा पड़ रहा है कई लोग तो पुलिस की गिरफ्तार में आने से बचने के लिए लापता हो गए हैं। दूसरे ओर इस बात की चर्चा भी हो रही है की मौके पर मौजूद लोगों को भी बेवजह परेशान कर सकती है यदि किसी व्यक्ति का कोई से कोई लेना-देना नहीं है उन व्यक्तियों को पुलिस परेशान ना कर इस बात की चिंता भी सीनियर अधिकारी को करनी होगी।

घाटी पर ब्रेक फेल होने से ट्रैक्टर पलटा, नपाकर्मी की मौत

सिरोंज। गुरुवार को नगर पालिका परिषद के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी डॉक्टर खान की ट्रैक्टर के ब्रेक फेल होने पर उसके पलटने के बाद टैंकर के नीचे दवाने से घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना दोपहर के बाद लैट्रिन का गढ़ खाली करके वापस आने के दौरान हुई जब डॉक्टर खान के ट्रैक्टर के अचानक माम भांजा पथ की घाटी पर ब्रेक फेल हो गए इसके बाद ट्रैक्टर वापस आने लग और वहां अनियंत्रित होकर पलट गया यह टैंकर के नीच दब गए सर में चोट लगने से मृत्यु हो गई एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया जहां पर डॉक्टर ने जांच के उपरांत डॉक्टर खान निवासी अयोध्या बस्ती उम्र लगभग 38 साल को मृत घोषित कर दिया घटना दिल को दहलाने बली है। जिस समय घटना हुई थी उसे समय कुछ कर्मचारी जमकर उसको बचाने के लिए चीख पुकार करके एंबुलेंस बुलाने की मांग भी कर रहे थे ।

मेट्रो एंकर आईजा के संस्थापक हार्दिक हुण्डिया का धूमधाम से मनाया गया जन्मदिन

गरीबों को गर्म कपडे एवं मिठाई-फल वितरण किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव देश के जैन समाज के वरिष्ठ नेता हार्दिक हुण्डिया का जन्मदिन सिरोंज में बडें ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जैन मंदिर में पूजन, अभिषेक,शांति धारा, भक्तांबर पाठ का आयोजन किया गया। तो वही नगर के प्रसिद्ध देवा धी देव मदन मोहन सरकार के दरबार में श्री हुंडिया के जन्मदिन के मौके पर अमनिया चढाया गया।

आईजा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव जैन सैनानी द्वारा हार्दिक हुण्डिया के जन्मदिन के अवसर पर नगर की गरीब बस्तियों में पहुचकर

गरीबो को गर्म कपडें व मिठाई,फल का वितरण कर श्री हुण्डिया का जन्मदिन बडें ही धूमधाम से मनाया।

पत्रकारो को एक प्लेटफार्म पर लाकर सम्मान दिलाया

इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने कहा कि आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुण्डिया के हम ह्रदय से अभारी है। उन्होने पूरे देश व प्रदेश के जैन पत्रकारो को एक प्लेटफार्म पर लाकर जो सम्मान दिलाया है उसके लिए सभी पत्रकार उनके आभारी है। क्योकि इससे पहले इन पत्रकारो को एक मंच पर कभी कोई लेकर नही आया जो कि हार्दिक हुण्डिया ने कर दिखाया। वही उन्होने कहा कि हार्दिक हुंडिया ने जो पूरे देश में जैन समाज को संगठित करने का बीडा उठाया है वह वास्तव में ही सराहनीय है और उन्हें इस कार्य में काफी सफलता भी मिली है। विगत दिनों पूर्व उत्तर प्रदेश में जो घटना घटित हुई उक्त घटना में सबसे पहले श्री हुंडिया ने जैन समाज के परिवारो जनों के लिए मुआबजा की मांग की। साथ ही कई तीर्थ क्षेत्रो पर शराबबंदी, मांसाहार मुक्त कराने का जो संकल्प लिया है। वह वास्तव में सराहनीय है और यह गौरव का बात है।

शब-ए-बारात त्योहार पर व्यवस्थाओं को लेकर नपा सीएमओ को आवेदन पत्र सौंपा

सिरोंज। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला अध्यक्ष सोहेल बबलू के निर्देश अनुसार तहसील सिरोंज अध्यक्ष इरफान कुरैशी उर्फ बाबू ठेकेदार के नेतृत्व में नगर पालिका प्रभारी सीएमओ राम प्रकाश साहू को मुस्लिम समाज जनों की उपस्थिति में एक आवेदन पत्र सौंपा गया। आवेदन पत्र में उल्लेख किया गया है कि विगत दिनों 13/2/25 को मुस्लिम समाज का त्योहार शब ए बारात मनाया जाएगा त्योहार से पूर्व मस्जिदों के आसपास एवं कब्रिस्तानों में साफ सफाई लाइट पानी की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई है। गौरतलब हो की मुस्लिम समाज का यह त्यौहार साल में एक बार मनाया जाता है और इस रात में मुस्लिम समाज जनों द्वारा कब्रिस्तानों में पहुंच कर मरने वालों पर सवाब की नीयत से कुरान की आयतें पढ़ी जाती हैं और उनके दर्जात बुलंदी की दुआएं की जाती हैं। वहीं इसी रात मुस्लिम समाज जनों द्वारा अपने-अपने घरों में एवं मस्जिदों में पूरी रात जागकर इबादत और तिलावत की जाती है और देश दुनिया में अमन चैन और भाईचारे की दुआ मांगी जाती है। आवेदन पत्र देने वालों में ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के नगर अध्यक्ष वाहिद गोरी, वक्फ कमेटी के तहसील अध्यक्ष वाजिद कुरैशी, जमीअतुल कुरेश के तहसील अध्यक्ष जहीर कुरैशी, वाजिद खान, हामिद खान, बबलू खान, कामरान कुरैशी, डॉ. आजम खान, डॉ. अनस कुरैशी, मोहम्मद नफीस

एशेज सीरीज का शेड्यूल हो गया जारी, इस साल 21 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा पहला मुकाबला

मेलबर्न, एजेंसी

एशेज सीरीज 2025-26 का शेड्यूल जारी हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शेड्यूल जारी किया। इसके अनुसार 142 साल पुरानी इस सीरीज का पहला मुकाबला 21 से 25 नवंबर 2025 के बीच पर्थ में खेला जाएगा। 1982-83 के बाद पहली बार इस सीरीज का पहला मुकाबला ब्रिसबेन की बजाय पर्थ में हो रहा है। इस बार इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही है। पिछले सीजन में सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। तब ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इंग्लैंड का दौरा किया था। दुनिया की सबसे पुरानी सीरीज द एशेज की शुरुआत 1882 में हुई थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड 1877 से टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। दुनिया का पहला टेस्ट मैच भी इन्हीं देशों के बीच खेला गया था। यह मुकाबला 15 से 19 मार्च 1877 को मेलबर्न में खेला गया। बाद में इसी सीरीज का नाम 'एशेज' पड़ा। कंगारुओं ने 34 सीरीज जीतीं, इंग्लैंड ने 32 ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हुई एशेज में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी है।

डॉन ब्रैडमैन आज भी एशेज के टॉप स्कोरर

डॉन ब्रैडमैन आज भी एशेज के टॉप स्कोरर एशेज सीरीज के टॉप 5 बैटर में से 3 ऑस्ट्रेलिया के हैं। इन बल्लेबाजों में सबसे पहला नाम डॉन ब्रैडमैन का आता है। ब्रैडमैन ने साल 1928 से साल 1948 के बीच 37 मैच में 5048 रन स्कोर किए। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर के टॉप बैटर जैक हॉब्स हैं। साल 1908 से 1930 के बीच हॉब्स ने 41 मैच में 3636 रन बनाए। एक्टिव प्लेयर्स में स्टीव स्मिथ टॉप पर हैं, उन्होंने 37 मैच में 3417 रन बनाए हैं। इसके बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट हैं। रूट ने 34मैच में 2428 रन स्कोर किए। शेन वॉर्न ने लिए हैं सबसे ज्यादा विकेट एशेज के टॉप 5 गेंदबाजों में भी ऑस्ट्रेलिया के 4 शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के लीजेंडरी स्पिनर शेन वॉर्न टॉप पर हैं।

लेवलिंग ने पदार्पण मैच में दागा गोल, जर्मनी क्वार्टरफाइनल में

पहले हाफ में एक भी शॉट नहीं लगा सकी डच टीम

म्यूनिख. एजेंसी

जेमी लेवलिंग के पदार्पण मैच में किए गए शानदार गोल की बदौलत जर्मनी ने यूएफा नेशंस फुटबॉल लीग के क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। जर्मनी ने ग्रुप-ए3 मैच में नीदरलैंड्स को 1-0 से हराया। 23 साल के लेवलिंग ने मैच के 64वें मिनट में गोल किया जो अंततः निर्णायक साबित हुआ। लेवलिंग को जमाल मुसियाला के चोटिल होने पर टीम में शामिल किया गया था। मौका मिलने पर लेवलिंग ने शानदार खेल दिखाया। लेवलिंग ने मैच के दूसरे ही मिनट में गोल कर दिया था, लेकिन उसे वीडियो असिस्टेंट रेफरी समीक्षा में ऑफसाइड करार दे दिया गया। नीदरलैंड्स का इस मैच में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। टीम 2019 के बाद पहली बार किसी मैच के पहले हॉफ में एक भी शॉट गोलपोस्ट तक नहीं पहुंचा पाई। तब पुर्तगाल के खिलाफ मैच में डच टीम विफल रही थी। अब 16 नवंबर को जर्मनी का सामना बोस्निया हर्जेगोविना से और नीदरलैंड्स का की भिड़ंत हंगरी से होगी।

फ्रांस की बेल्जियम पर दूसरी जीत: रैंडल कोलो मुआनी के दो गोल से फ्रांस ने बेल्जियम को उसके घरेलू मैदान पर 2-1 से हरा दिया। नेशंस लीग में यह फ्रांस की बेल्जियम पर दूसरी जीत है। मुआनी ने मैच के 35वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला और उसके बाद 62वें मिनट में अपना और टीम का दूसरा गोल दागा। इटली और इजरायल के बीच नेशंस लीग मैच बेहद कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच खेला गया।

वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 9 फरवरी को कटक में होगा

गिल बोले- कोहली की चोट गंभीर नहीं, दूसरा मैच खेलेंगे

कटक, एजेंसी

भारतीय टीम के उपकप्तान शुभमन गिल ने विराट कोहली की चोट पर अपडेट दिया है। गिल ने कहा- कोहली की चोट गंभीर नहीं है। वे पूरी तरह फिट हैं और इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को दूसरे वनडे में खेलते नजर आएंगे। अनुभवी बल्लेबाज विराट दाएं घुटने में सूजन के कारण पहला मैच नहीं खेल पाए थे। इससे उनकी फिटनेस पर सवाल उठने लगे थे। कोहली को पाकिस्तान और दुबई में 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 9 फरवरी को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा. टीम इंडिया ने सीरीज के पहले मुकाबले में 4 विकेट से जीत हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है. ऐसे में अब दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड की टीम जीत हासिल कर सीरीज 1-1 से बराबर करना चाहेगी. वहीं टीम इंडिया जीत हासिल कर सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त लेना चाहेगी. तो आइए जानते हैं कि दोनों के बीच होने वाले दूसरे वनडे को आप कब, कहां और कैसे लाइव देख पाएंगे.

25 साल के गिल ने कहा- उनकी (कोहली) चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने बुधवार को अच्छा अभ्यास किया था, लेकिन गुरुवार की सुबह उनके घुटने में कुछ सूजन थी। वे निश्चित रूप से दूसरे वनडे में वापसी करेंगे। गिल ने कहा- तीसरे नंबर पर बैटिंग करने में परेशानी नहीं गिल ने अपनी पारी पर कहा- मैं पहले वनडे में शतक को ध्यान में रखकर

नहीं खेल रहा था। मैं फिल्डिंग की सजावट पर ध्यान लगा रहा था। मैं उसी के अनुसार अपने शॉट खेल रहा था। मैं गेंदबाज पर हावी होने की कोशिश कर रहा था। मुझे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने में कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा- मैं टेस्ट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करता हूं। इसलिए मुझे बहुत अधिक सामंजस्य नहीं बिठाना नहीं पड़ा। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना बेहद चुनौती पूर्ण होता है, क्योंकि आपको खेल की स्थिति के अनुसार खेलना होता है। गिल ने कहा, अगर टीम ने जल्दी विकेट खो दिया हो तो फिर आपको संभल कर बल्लेबाजी करने होती है। अगर टीम को अच्छी शुरुआत मिली हो तो आपको उसे आगे बढ़ाना होता है। मैं मैच की स्थिति के अनुसार खेलता हूं।

नागपुर में 87 रनों की पारी खेली, भारत 4 विकेट से जीता गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में 87 रन बनाते हुए भारत की चार विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वे 19 रन पर यशस्वी जायसवाल के आउट होने के बाद नंबर-3 पर उतरे थे। उन्होंने 3 बॉल ही खेली थी कि दूसरे ओपनर और कप्तान रोहित शर्मा 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऐसे में गिल ने श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 64 बॉल पर 94 रनों की पार्टनरशिप की थी।

मेट्रो बाजार

अडाणी ग्रीन एनर्जी श्रीलंका में दो विंड पावर स्टेशन बनाएगी

नईदिल्ली, एजेंसी

20 साल के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया, 367 करोड़ निवेश करेगी कंपनी

नई दिल्ली। श्रीलंका की सरकार ने मंगलवार को गौतम अडाणी की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी के साथ देश में विंड पॉवर स्टेशन डेवलप करने की मंजूरी दी है। श्रीलंका के मन्नार और पूनरीन में अडाणी ग्रीन एनर्जी विंड पॉवर स्टेशन यानी पवन ऊर्जा स्टेशन बनाएगी। दोनों पक्षों ने 20 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया है। श्रीलंका की सरकार ने कहा कि एग्रीमेंट के मुताबिक कंपनी को 8.26 सेंट प्रति किलोवाट-घंटे का भुगतान

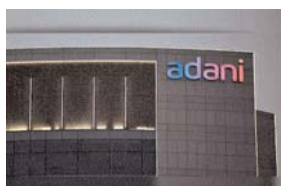

किया जाएगा। इससे पहले पिछले साल फरवरी में अडाणी ग्रीन एनर्जी को मन्नार शहर और पूनरीन गांव में 484 मेगावाट के विंड पावर प्लांट को डेवलप करने के लिए मंजूरी मिली थी। इसके लिए कंपनी 442 मिलियन डॉलर (करीब 367 करोड़) निवेश करने वाली है। ये दोनों जगहें श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में हैं। साल 2022 में श्रीलंका ने आर्थिक संकट के दौरान गंभीर बिजली संकट और ईंधन की कमी का सामना किया। इंपोर्ट किए जाने वाले ईंधन की लागत से बचने के लिए श्रीलंका अब रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स में तेजी ला रहा है। जनवरी-मार्च तिमाही में

अडाणी ग्रीन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 39 फीसदी घटकर 310 करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 507 करोड़ रहा था। वहीं पिछली तिमाही में यह 256 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 21.09 फीसदी है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे।

चौथी तिमाही में अडाणी ग्रीन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू (आय) सालाना आधार पर 5.74 फीसदी घटकर 2,806 करोड़ रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 2,977 करोड़ रुपए रहा था। पिछली तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 2,675 करोड़ रहा था।

अर्थव्यवस्था: भारत 2025 तक जापान को पछाड़ देगा

नईदिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की नवीनतम रिपोर्ट, विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार, भारत 2024 में प्रमुख अर्थवस्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत का अनुमान है कि 2025 तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थवव्यवस्था बन जाएगी। भारत जापान को पछाड़ देगा। भारत फिलहाल पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत से आगे अभी सिर्फ अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान की अर्थवस्यवस्था है। एक दशक पहले यानी 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। भारत की जीडीपी लगभग 3.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। फ्रैजाइल-5 से दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं तक भारत की यात्रा बड़ी अहम रही है। इसके कई मुख्य अंश हैं- रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह, पिछली तीन तिमाहियों में 8 प्रतिशत से अधिक जीडीपी वृद्धि, भारतीय मुद्रा रुपये में 27 देशों के साथ व्यापार, मुद्रास्फीति प्रबंधनीय आदि। बता दें, फ्रैजाइल-5 शब्द 2013 में मॉर्गन स्टेनली द्वारा दिया गया है। यह भारत सहित पांच देशों के समूह को इंगित करता है, जिनकी अर्थव्यवस्था उस वक्त अच्छा प्रदर्शन कर रहीं थीं। इसमें चार देश हैं- ब्राजील, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की थे। भारत की मजबूत वृद्धि के लिए जिम्मेदार यह अंश इस्पात, सीमेंट और ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षेत्रों में दोहरे अंक की वृद्धि, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में वैश्विक नेता, ई-लेन-देन बढ़कर 134 बिलियन हुआ। औसत वार्षिक मुद्रास्फीति 2003-04 और 2013-14 के बीच 8.2 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हुई। राजनीतिक स्थिरता, सराहनीय केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति, आईएमएफ रिपोर्ट में भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की नवीनतम रिपोर्ट, विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार, भारत 2024 में प्रमुख अर्थवस्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

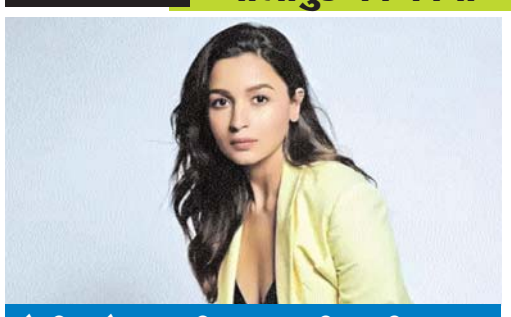

बेटी को अपनी व रणबीर की खास फिल्म दिखाना चाहती हैं आलिया

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अल्फा स्पाई थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में आलिया के साथ मुंजा अभिनेत्री शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। इसके अलावा आलिया लव एंड वॉर को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। आलिया ने अभी तक अपने बॉलीवुड करियर में कई बेहतरीन फिल्में कर चुकी हैं। लेकिन एक फिल्म ऐसी भी है, जो उनके हिसाब से ज्यादा बेहतर तो नहीं है, लेकिन फिर भी वह चाहती हैं कि इस फिल्म को उनकी और रणबीर कपूर की बेटी राहा कपूर तब देखे जब वह बड़ी हो जाएं। इसके अलावा आलिया चाहती हैं कि रणबीर की यह एक खास फिल्म रहा जरूर देखें। आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि उन्हें अपनी पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अपने अभिनय पर ज्यादा पसंद नहीं है और ना ही इस फिल्म को लेकर उन्हें कोई गर्व महसूस होता है, लेकिन वह चाहती हैं कि उनकी बेटी राहा इस फिल्म के मजेदार गानों और डांस सींस के लिए यह फिल्म बड़ी होकर एक बार जरूर देखें। करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर ने भले ही आलिया भट्ट को बॉलीवुड में स्टारडम दिलाया हो, लेकिन यह ऐसी फिल्म नहीं है जिसमें उन्हें अपने अभिनय पर गर्व हो। हालांकि, अभिनेत्री ने हाल ही में एक बातचीत में खुलासा किया कि यह वह फिल्म है जिसे वह चाहती हैं कि उनकी बेटी राहा सबसे पहले देखे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब इंटरव्यू में आलिया से पूछा गया कि वह राहा को बड़ी होने पर कौन सी फिल्में दखाना चाहेंगी। आलिया ने अपनी पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर को चुना। उनका मानना है कि इस फिल्म में काफी मनोरंजक गाने और डांस सीक्वेंस राहा के लिए एकदम सही होंगे। आलिया ने कहा, मैं चाहती हूं कि राहा स्टूडेंट ऑफ द ईयर फिल्म देखें क्योंकि यह सबसे कम उम्र की और सबसे ज्यादा मजेदार फिल्म है, जिसे कोई बच्चा देख सकता है। यह मेरी पहली फिल्म थी। हालांकि, मुझे इसमें अपने अभिनय पर बहुत गर्व नहीं है, लेकिन यह गानों से भरपूर है, और मुझे लगता है कि वह वाकई में इसका आनंद लेगी। जब उनसे पूछा गया कि वह राहा को रणबीर कपूर की कौन सी फिल्म दिखाना चाहेंगी, तो आलिया ने कहा, मैं चाहती हूं कि राहा अपने पापा रणबीर कपूर की फिल्म बर्फी देखें। मुझे लगता है कि यह बच्चों के लिए बहुत ही सही फिल्म है... हां, बर्फी एक अच्छा ऑप्शन है। आलिया ने 19 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत की थी।

अच्छा पिता बनने की कोशिश कर रहे हैं वरुण धवन, कहा-बेटी के साथ खेलना है पसंद

वरुण धवन जून 2024 में अपनी बेटी के जन्म के साथ पिता बनें। अभिनेता ने अपनी बेटी के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि, एक साक्षात्कार में उन्होंने साझा किया कि एक पिता के रूप में वह अभी चीजों को समझ रहे हैं। अभिनेता ने बताया कि वह हर नए पिता की तरह अपनी बेटी के लिए जिम्मेदार बनने की कोशिश कर रहे हैं। बेटी के जन्म से पहले वरुण धवन को कई बार यह इच्छा जताते हुए सुना गया कि वह एक बेटी के पिता बनना चाहते हैं। उनका यह सपना 3 जून को पूरा हुआ। उन्होंने अपनी पत्नी नताशा दलाल के साथ एक बेटी का स्वागत किया। हालांकि, इस जोड़ी ने अभी तक अपनी बेटी के नाम की भी सार्वजनिक रूप से घोषणा नहीं की है। हाल ही में एक साक्षात्कार में अभिनेता ने अपने पिता बनने के अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं अभी भी यह समझ रहा हूं कि मुझे कितना जिम्मेदार होना चाहिए, या मैं अभी भी कितना बच्चा हो सकता हूं। मुझे लगता है कि पुरुषों को इससे गुजरना पड़ता है।' वरुण ने बताया कि उनकी पत्नी नताशा उनकी छोटी बेटी के लिए हर काम करती हैं और इसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है। अपने मजाकिया अंदाज में धवन ने बताया, 'शुरू में महिला ही व्यावहारिक रूप से हर काम करती है फिर पुरुष आता है और उपयोगी बन जाता है।' हालांकि, किसी भी अन्य पिता की तरह, अभिनेता को भी अपनी बेटी के साथ खेलना अच्छा लगता है। वरुण हर दिन एक पिता के रूप में बेहतर होने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

मनोज बाजपेयी बोले- ब्लाइंड आर्टिकल्स से परेशान थे सुशांत

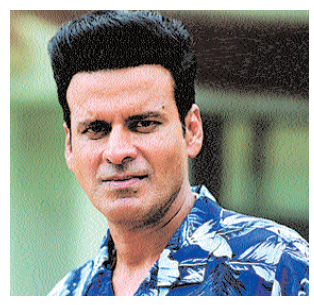

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'भैया जी' को लेकर चर्चा में हैं। एक्टर इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। एक इंटरव्यू के दौरान दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को याद कर मनोज बाजपेयी इमोशनल हो गए। दोनों ने एक साथ डायरेक्टर अभिषेक चौबे की फिल्म 'सोनचिड़िया' में काम किया था। एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने सुशांत सिंह राजपूत की परेशानी के बारे में बात की। एक्टर ने कहा- सुशांत ब्लाइंड आर्टिकल्स से काफी परेशान थे और अक्सर इस बारे में मुझसे बात करते रहते थे कि उन्हें क्या करना चाहिए। मैंने हमेशा उनसे कहा कि वह इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचें। मनोज ने कहा- सुशांत की मौत से करीब दस दिन पहले मेरी उनसे बात हुई थी। मैंने बताया था कि ऐसे आर्टिकल लिखने वालों से निपटने का एक अलग तरीका है। वह कहते थे कि सर, यह काम सिर्फ आप ही कर सकते हैं। वह मुझसे हमेशा कहते थे कि आपके हाथ का बना मटन खाना चाहता हूं। मैं कहता था कि जब बनाऊंगा तो जरूर खिलाऊंगा, लेकिन किसे पता था कि अचानक हम सबको छोड़कर चले जाएंगे। उनका समय आना अभी बाकी था। बाजपेयी की फिल्म 'भैया जी' 24 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में मनोज पहली बार इंटेंस एक्शन अवतार में नजर आएंगे। खास बात यह है कि एक्टर की 100वीं फिल्म है। मनोज बाजपेयी ने कहा- मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 10 से ज्यादा फिल्में करूंगा, लेकिन जिंदगी मेहरबान रही कि मैं अपनी 100वीं फिल्म के साथ यहां हूं। ऐसा नहीं है कि मैं अकेला कड़ी मेहनत करता हूं, सभी कलाकार रोजाना कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन यह भगवान और दर्शकों की वजह से है कि मैं इस मुकाम तक पहुंचा हूं।

बिलखिरिया थाने से 100 मीटर की दूरी पर हुआ हादसा

सड़क पार कर रहे किसान को वाहन ने मारी टक्कर, हुई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया थाने से 100 मीटर की दूरी पर अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे किसान को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस को घटनास्थल से दूध के डिब्बे का ढक्कन मिला है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि बाइक पर डब्बे फंसाकर ले जाने वाले किसी बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मारी है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगा रही है।

पुलिस के अनुसार लक्ष्मीनारायण कुशवाहा (50) बिलखिरिया थाने के पीछे, पढरिया काछी में रहते थे। पेशे से किसान लक्ष्मीनारायण कुशवाह का थाने के सामने कुछ दूरी पर खेत हैं। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे वह प्रतिदिन की तरह गाय का दूध लगाने खेत पर जा रहे थे। वे थाने से 100 मीटर की दूरी पर सड़क पार कर रहे थे, तभी उन्हें किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस ने लक्ष्मीनारायण को अस्पताल पहुंचाया था।

टक्कन से टक्कर मारने वाले बाइक सवार की तलाश

मामले की जांच कर रहे प्रधान आरक्षक संतोष ने बताया कि जिस जगह हादसा हुआ, वहां दूध के डिब्बे का ढक्कन पड़ा मिला है। ढक्कन से अनुमान लगाया जा रहा है कि टक्कर मारने वाला कोई बाइक सवार है। पुलिस आसपास के अस्पतालों में पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि टक्कर मारने के बाद बाइक सवार भी गिरा होगा और उसे चोट आई होगी।

सर्विस लेन से सड़क पर आ रहे मजदूर ने टक्कर से तोड़ा दम

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित सेम कॉलेज जाने वाली सड़क पर गुरुवार रात अज्ञात वाहन ने मजदूर को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मजदूर को एंबुलेंस की मदद से हमीदिया अस्पताल ले जाया गया था। वहां डॉक्टर चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन और चालक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार ग्राम बिलखिरिया निवासी जगदीश कुशवाहा (48) मजदूरी करते थे। गुरुवार रात खाना खाने के बाद वह टहलने के लिए निकले। सर्विस लेन से निकलकर वह सेम कॉलेज वाली सड़क पर पहुंचे ही थे कि किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाइक फिसलने से घायल युवक की मौत

भोपाल। चूनाभट्ठी इलाके में बाइक फिसलने से घायल हुए एक युवक की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। जानकारी के अनुसार हेमलाल भावरे (27) कोलार रोड स्थित हिनौतिया में रहता था और पुताई का काम करता था। बुधवार को वह सेकेंड हैंड बाइक खरीदने के लिए जहांगीराबाद गया था। बाइक खरीदकर वापस घर लौटते समय चूनाभट्ठी इलाके में उसकी बाइक एक पत्थर पर चढ़ने के बाद फिसल गई, जिससे हेमलाल को गंभीर चोट आई थी। उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां गुरुवार को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेन लाइन पर काम कर रहे लाइन मैन की करंट से मौत

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम जूनापानी में गुरुवार शाम मेन लाइन से दूसरी लाइन में जंपर डाल रहे लाइनमैन को करंट लग गया। साथ काम करने वाले लोग उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि ठेकेदार से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार प्रमोद कुशवाह पिता गजानंद कुशवाह (32) गांव धमर्रा में रहता था और विद्युत वितरण कंपनी में ठेके पर लाइनमैन का काम करता था। गुरुवार को जूनापानी गांव फाल्ट होने पर प्रमोद टीम के साथ फाल्ट सुधारने पहुंचा था। शाम करीब पांच बजे प्रमोद मुख्य लाइन के पोल पर चढ़कर दूसरे लाइन में जंपर डाल रहा था, तभी उसे करंट लग गया। करंट लगने के बाद उसे हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद प्रमोद को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि शुक्रवार सुबह पीएम कराने के बाद प्रमोद का शव परिजन को सौंप दिया है। प्रमोद ठेकेदार के पास काम कर रहा था। पुलिस ठेकेदार और साथ काम करने वाले अन्य लोगों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अदालत में हिंदू संगठन ने युवक को बेरहमी से पीटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोर्ट मैरिज का आवेदन लेकर पहुंचे युवक पर लगाया लव जिहाद का आरोप

जिला अदालत में गुरुवार दोपहर हिंदू संगठन के लोगों ने एक युवक के साथ जमकर मारपीट की। युवक के साथ लात घूंसों से मारपीट होने के कारण वह अधमरा हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवक को लेकर थाने पहुंची। उसका मेडिकल कराया गया है। कोर्ट परिसर में हुई इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। संस्कृति बचाओ मंच और हिंदू संगठनों का कहना है कि युवक के साथ मारपीट लव जिहाद के कारण की गई है। एमपीनगर थाने पहुंचकर उसकी शिकायत भी की है। एमपीनगर थाना प्रभारी जय हिंद शर्मा ने बताया कि युवक-युवती से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल, उनके खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं किया है।

जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर निवासी शहजाद अहमद, पिपरिया की रहने वाली दूसरे समुदाय की युवती से कोर्ट मैरिज करने शुक्रवार दोपहर जिला अदालत पहुंचा। दोपहर करीब 2 बजे दोनों कोर्ट परिसर में शादी के लिए आवेदन कर रहे थे। वकीलों ने हिंदू संगठन को घटना की जानकारी दे दी। थोड़ी ही देर में हिंदू संगठन के लोग कोर्ट परिसर में घुस आए। लोगों ने शहजाद के साथ लात-मुक्को से मारपीट शुरू कर दी। वह अधमरा होकर नीचे गिर गया। बावजूद इसके लोग उसे पीटते रहे। मारपीट की सूचना मिलते ही एमपीनगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने युवक को अभिरक्षा में लिया। उसका मेडिकल कराने के बाद थाने ले आए। युवक-युवती दोनों पुलिस की अभिरक्षा में हैं। जहां उनसे पूछताछ जारी है।

संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी का कहना है कि हिंदू युवतियों के साथ बड़ती हुई इन घटनाओं के कारण आक्रोशित भीड़ ने युवक के साथ मारपीट की है। हिंदू संगठनों ने मांग की है कि आरोपी शहजाद के खिलाफ दुष्कर्म व लव जिहाद का प्रकरण दर्ज किया जाए। हालांकि युवती ने शहजाद पर न तो दुष्कर्म और न ही लव जिहाद के आरोप लगाए हैं।

सीमेंट मिक्सर ट्रक ने कार को मारी टक्कर

भोपाल। निशातपुरा इलाके में एक सीमेंट मिक्सर ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई, लेकिन कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार मोहम्मद उमर फारुख (28) इब्राहिमपुरा तलैया में रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। बुधवार-गुरुवार की रात वह अपने परिवार के साथ कार से ग्राम हराखेड़ा गुनगा से अपने घर लौट रहे थे। नवीबाग बैरसिया रोड स्थित एसबीआई बैंक के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक (सीमेंट मिक्सर) ने उनकी कार को टक्कर मार दी, जिससे कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कार में बैठे सभी लोग बाल-बाल बच गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

महिला के जेवर और मोबाइल समेत हजारों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों में सामान चोरी होने और लूटपाट की घटनाएं लगातार जारी हैं। ओवर नाईट एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला के जेवरात और मोबाइल समेत हजारों का सामान चोरी चला गया। इसी प्रकार कई अन्य यात्रियों के मोबाइल फोन समेत कीमती सामान चोरी हो गया। जीआरपी ने सभी मामलों में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सतना निवासी रूपा वर्मा (39) अपने परिवार के साथ ओवर नाईट एक्सप्रेस में जबलपुर से इंदौर की यात्रा कर रही थी। इस दौरान उन्होंने अपना हैंडबैग सीट पर सिरहाने रखा हुआ था। संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन निकलने के बाद नींद खुली तो हैंड बैग गायब था। बैग के अंदर रीयल मी कंपनी का एक मोबाइल फोन, एक जोड़ी सोने की कान की बाली, एक मंगलसूत्र, चांदी की बच्चे की चूड़ी, करीब 3 हजार रुपए नकदी और मेकअप समेत हजारों का सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार थाना राजेंद्र ग्राम जिला अनूपपुर निवासी रामलला मेहरा (31) अमरकंटक एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से बुड़ार की यात्रा कर रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 4 पर ट्रेन में चड़ने के दौरान किसी ने उनकी जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 16 हजार रुपए बताई गई है।

रानीकमलापति स्टेशन के टिकट विंडों के पास युवक ने अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पाइंट पर लगाया था

चार्जिंग पाइंट पर लगा मोबाइल चोरी बलरामपुर छत्तीसगड़ निवासी दिनेश कुमार ठाकुर परीक्षा देने के लिए अमरकंटक एक्सप्रेस से भोपाल आया था। परीक्षा समाप्त होने के बाद वापस लौटने के लिए वह रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचा। स्टेशन की सेकेंड एंट्री पर टिकट विंडों के पास उसने अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पाइंट पर लगाया था। कुछ देर बाद दिनेश कुमार को नींद आ गई। रात करीब डेढ़ बजे नींद खुली तो चार्जिंग पर लगा मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 13 हजार रुपए बताई गई है। इधर पटना एक्सप्रेस में इंदौर से अयोध्या कैंट की यात्रा कर रहे एक युवक के हाथ से बदमाश 20 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन छीन ले गया। घटना संत हिरदाराम नगर और निशातपुरा के बीच उस वक्त हुई, जब ट्रेन काफी धीमी रफ्तार से चल रही थी। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगदी और जेवर 3 लाख से ज्यादा ले गए चोर

कवर्ड कैंपस में है दो गार्ड, दो सूने मकानों को बनाया निशाना, सीसीटीवी फुटेज कई दिन से खराब

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित असनानी सेंट्राफ्री बागमुगालिया में सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश नगदी समेत जेवरात चुराकर ले गए। घटना के समय परिवार छतरपुर गया था। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चोरी गए माल की सूची फरियादी ने अभी पुलिस को सौंपी नहीं है, लेकिन उन्होंने बताया कि उनके घर से नकदी समेत साड़े तीन लाख रुपए का सामान चोरी हुआ है।

पुलिस के अनुसार उदय प्रकाश अनुरागी (30) वार्ड न. 14 हरपालपुर जिला छतरपुर के रहने वाले हैं। इन दिनों वह डी-20 असनानी सेंट्राफ्री बागमुगालिया में परिवार के साथ रह रहे हैं और प्रायवेट लिमिटेड कंपनी के लिए काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 2 फरवरी की सुबह वह परिवार सहित पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हरपालपुर गए थे। 6 फरवरी की दोपहर 1 बजे उनके पड़ोसी अमन अग्रवाल ने उन्हें कॉल कर बताया कि आपके मकान का दरवाजा टूटा हुआ है। वे छतरपुर से भोपाल पहुंचे तो ग्राउंड फ्लोर पर बने कमरे का ताला टूटा मिला। वे अंदर घुसे तो अलमारी का लॉकर भी टूटा हुआ था। उदय प्रकाश अनुरागी ने बताया कि बदमाश उनके घर से करीब साड़े तीन लाख रुपए का माल चुराकर ले गए है।

उदय प्रकाश अनुरागी के मकान के सामने प्रदीप कुमार सेलोट का मकान है। इन दिनों वह भी बाहर गए हुए हैं। उनके मकान का भी बदमाशों ने ताला तोड़ लिया है। उनके भोपाल पहुंचने के बाद चोरी गए सामान का पता चल सकेगा। उदय प्रकाश ने बताया कि उन्होंने थाने में शिकायत की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर लिया है। एफएसएल की टीम फिंगर प्रिंट लेकर गई है। इसके अलावा डॉग स्क्वॉड से भी घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो पता चला कि कैमरे बंद पडे है, वहीं कॉलोनी में दो गार्ड है और उन्हें घटना की जानकारी तक नहीं है।

बिल्डर से की थी खराब कैमरे की शिकायत

उदय प्रकाश ने बताया कि पंद्रह दिन से कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे खराब है। खराब सीसीटीवी को सुधरवाने कॉलोनी के लोगों ने पंद्रह दिन पहले बिल्डर से कहा था, लेकिन बिल्डर ने अभी तक कैमरे ठीक नहीं कराए।

मेट्रो एंकर लाखों रुपए कीमत के आधा दर्जन से ज्यादा दोपहिया वाहन चोरी

शहर में सड़कों से लेकर पार्कों तक वाहन चोर चुस्त, पुलिस सुस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर के विभिन्न इलाकों से बदमाश लाखों रुपये कीमत के आधा दर्जन से ज्यादा दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। जानकारी के अनुसार संजय नगर शाहजहांनाबाद निवासी सचिन नगर निगम में साफ सफाई का काम करता है। उसने अपनी मां के नाम पर नई स्कूटर खरीदी, जिसकी रजिस्ट्रेशन नंबर भी नहीं मिला था।

पिछले दिनों उसने अपनी स्कूटर लाल सिंह अस्पताल के सामने खड़ी की और काम से चला गया। करीब एक घंटे बाद वापस लौटा तो स्कूटर चोरी हो चुकी थी। इसी प्रकार मुगलपुरा शाहजहांनाबाद निवासी मोहम्मद काजिम खान ने अपनी स्कूटर गुलशन अपार्टमेंट के सामने खड़ी की और घर चले गए। अगले दिन सुबह देखा तो स्कूटर गायब हो चुकी थी। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर, बागसेवनिया थानांतर्गत एम्स अस्पताल के गेट नंबर 2 की पार्किंग में खड़ी अभिषेक रघुवंशी और मोहम्मद आरिफ खान की बाइक चोरी हो गई। ऐशबाग स्थित पुष्पा नगर से पुष्पेंद्र कुमार उर्फ आकाश और मिसरोद स्थित मेपल माल के ग्राउंड से जलज गोस्वामी की बाइक चोरी चली गई। छोला मंदिर थानांतर्गत मालीखेड़ी में रहने वाले विकास मेहर के घर के सामने खड़ी 2 मोटर सायकिलें एकसाथ चोरी हो गई। इधर बिलखिरिया थानांतर्गत कोकता मल्टी परिसर से मधुसूदन पवार की बाइक चोरी चली गई। इसी प्रकार बागसेवनिया थानांतर्गत बागमुंगालिया में रहने वाले प्रकाश अनुरागी के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी चला गया। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

महिला से पंद्रह लीटकर कच्ची शराब जब्त

भोपाल। गांधी नगर पुलिस ने बंजारा बस्ती झुग्गी के पास से एक महिला को गिरफ्तार कर उसके पास से पंद्रह लीटर कच्ची शराब जब्त की है। जब्त शराब की कीमत 3 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने महिला के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि बंजारा बस्ती गांधी नगर में झुग्गीयो कि आड़ में एक महिला शराब लेकर खड़ी है। वह किसी को शराब बेचने की फिराक है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करते हुए महिला स्टाफ की मदद से सदिंग्ध महिला को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम शिल्पा पारदी पति चार्ली पारदी (25) आंगनवाड़ी के पास बंजारा बस्ती सेक्टर नबंर 3 बताया। पुलिस ने उसके पास रखी कुप्पी का ढक्कन खुलवाया तो उसमें पंद्रह लीटर कच्ची शराब मिली। शराब की कीमत 3 हजार रुपए बताई जा रही है। महिला से शराब जब्त कर जमानत दे दी गई।

मादक पदार्थ तस्करों से 5.50 लाख नकद जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

3 किलो गांजे के साथ महिलाओं समेत 3 गिरफ्तार

तलैया थाना पुलिस ने मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाले तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। तीनों के पास से 5.50 लाख रुपए नकद और 45 हजार रुपए कीमत का तीन किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार मुखबिर से मिली सूचना के बाद तलैया थाने की पुलिस टीम ने आरोपी नितिन उर्फ अप्पू संकत (35) निवासी सईदिया स्कूल रोड थाना तलैया को पकड़ा। आरोपी के पास से 23 हजार 250 रुपए कीमत का गांजा और नगदी 5 लाख 50 हजार रुपये जब्त हुए। इसी प्रकार माधुरी संकत (25) निवासी सईदिया स्कूल के पीछे इतवारा थाना तलैया के पास से 12 हजार 750 रुपए और संगीता संकत (47) के कब्जे से 9000 रुपए का गांजा जब्त किया गया। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022